सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान की भारत को धमकी- रक्षामंत्री बोले- जिस पल पानी पर खतरा लगा, हम जंग शुरू कर देंगे


ASHOKA
SMA - Ashoka Express Publication

# अशोका एक्सप्रेस

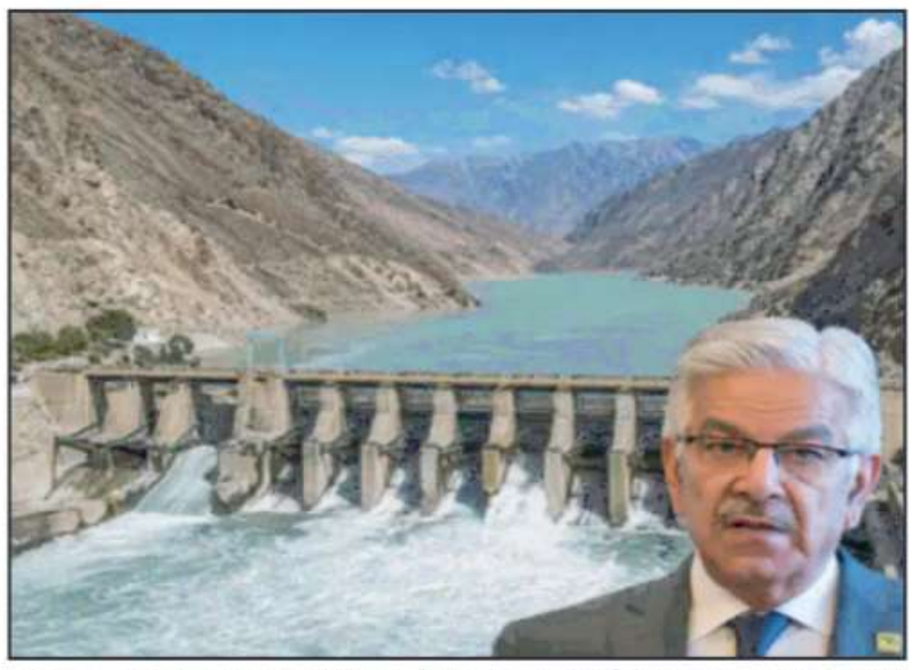

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress
E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress
संपादक :- विजय कुमार भारती
प्रबंधक :- सज्जन सिंह

● वर्षः 29 ● अंक : 23 ● नई दिल्ली ● 23 से 30 जून 2026 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये


## लखनऊ की कोचिंग में आग लगने से 15 मौतें- बचने के लिए बाथरूम में छिपे, दम घुटा; 4 अफसर सस्पेंड, 3 आरोपी अरेस्ट





**लखनऊ ।** यूपी की राजधानी लखनऊ में सोमवार दोपहर 1:30 बजे एक इमारत में आग लग गई। हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 5 महिलाएं और 10 पुरुष हैं। ज्यादातर 20 से 30 साल के स्टूडेंट्स हैं। जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह अलीगंज इलाके में है। बेसमेंट, ग्राउंड और पहले फ्लोर पर पेट शॉप और क्लीनिक है। दूसरे फ्लोर पर लर्निंग स्पेस नाम की लाइब्रेरी (कोचिंग) और हेड हॉपर स्टूडियो है, जिसमें 3डी आर्ट प्रोडक्शन और गेम एसेट आउटसोर्सिंग का काम होता है। जानकारी के मुताबिक, आग फैलने के बाद दूसरे फ्लोर पर चल रही कोचिंग में छात्रों ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया था। जान बचाने के लिए जयंत नाम का एक बच्चा पहले फ्लोर से कूद गया, वहीं 5 लोग तारों के सहारे लटककर नीचे उतरे। सीएम योगी ने 4 अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया गया है। मंत्री एके शर्मा ने बताया- बेसमेंट में लगे एसी में ब्लास्ट हुआ, जिससे आग लगी और धुआं फैल गया। फायर ब्रिगेड की करीब 19 गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ रेस्क्यू कर रही हैं। फायरकर्मियों ने बिल्डिंग की पीछे की दीवार को तोड़ा, जिससे शव निकाले हैं।

घटनास्थल पर मृतकों और घायलों के लिए एम्बुलेंस कम पड़ गई थीं। मौके पर मौजूद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक इस मंजर को देखकर रो पड़े। उन्होंने कहा- मैंने अपनी आंखों के सामने लाशें निकलती देखी हैं। योगी आदित्यनाथ ने ट्रॉमा सेंटर में मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। कहा- इस घटना में जिम्मेदार किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। योगी ने हाई लेवल बैठक के बाद दो सदस्यीय विशेष जांच दल बनाया है। सात दिन के भीतर जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय कर रिपोर्ट मांगी है। एसआईटी में पर्यटन, धर्मार्थ एवं संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात और लखनऊ जोन के एडीजी प्रवीण कुमार को शामिल किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी दिल्ली से लखनऊ पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया है।

हादसे में सुखमणि (23) की मौत हो हुई है। उनके दोस्त यश ने बताया- सुखमणि 3डी एनीमेशन के ऑफिस में चार साल से नौकरी कर रहे थे। ऑफिस में करीब 40 लोग काम करते हैं। ऑफिस का मुख्य गेट थंब इंप्रेशन से खुलता था। आग फैलने के बाद गेट ऑटोमैटिक लॉक था। उसे खोलने में देरी हुई। जिसकी वजह से हादसा और ज्यादा गंभीर हो गया। बताया जा रहा है इमारत वीरेंद्र शुक्ला की जमीन पर है। वे सीतापुर रोड पर गोविंदपुरम में स्थित रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कॉलेज के मालिक हैं। इमारत का आवासीय नक्शा वीरेंद्र शुक्ला, धीरेंद्र शुक्ला और सुरेंद्र शुक्ला के नाम से पास हुआ था। 2014 में कमर्शियल बना दिया था। नगर निगम 2022 से कमर्शियल टैक्स ले रहा था। तत्कालीन अफसरों और इंजीनियरों पर कार्रवाई करने के लिए लिस्ट तैयार कर ली गई है। 16 आरोपी हैं। शुरुआती जांच के मुताबिक, इमारत में इमरजेंसी एग्जिट नहीं था। इसलिए लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। अग्निकांड मामले में अलीगंज पुलिस ने छह नामजद आरोपियों समेत अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले में अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 110, 105, 125, 3(5) और उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा अधिनियम की धारा 6/10 के तहत दर्ज किया गया है।

### खड़ी पिकअप वैन को ट्रक ने मारी टक्कर, एक महिला समेत 6 मजदूरों की मौत, 21 घायल

**छिंदवाड़ा ।** मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में सोमवार को एक बेहद दर्दनाक और भीषण सड़क हादसा हो गया। छिंदवाड़ा-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क किनारे मजदूरों से भरी खड़ी एक पिकअप वैन को तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस भयावह दुर्घटना में एक महिला सहित छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 21 अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि यह हादसा जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर तेमनी गांव के पास छिंदवाड़ा-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। छिंदवाड़ा के पुलिस अधीक्षक अजय पांडे ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि दुर्घटना में एक महिला समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 अन्य घायल हुए हैं। क्षेत्रीय उप पुलिस अधीक्षक रामेश्वर चौबे ने बताया कि पिकअप वैन सड़क किनारे खड़ी थी और उसका चालक किसी व्यक्ति से बातचीत कर रहा था.

## उद्धव के 6 सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल



**मुंबई ।** महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के 9 में से 6 सांसद सोमवार को एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए। बागी सांसदों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ उनके नंदनवन बंगले पर बैठक की। इसके बाद बागी सांसदों ने शिंदे के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पाला बदलने का ऐलान किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एकनाथ शिंदे ने कहा- जब हमने विद्रोह किया था, तब शुरुआत में 40 विधायक थे और अब चौके नहीं, छक्के लग चुके हैं। 2022 में शिवसेना ने पार्टी को बचाने के लिए धनुष-बाण को बचाने के लिए विद्रोह किया था। अब दूसरा चरण शुरू हो गया है। हमारी लड़ाई बालासाहेब के विचारों के लिए है, इन विचारों को संरक्षित करने के लिए है, इसीलिए आज इन 6 सांसदों ने बालासाहेब की असली शिवसेना में शामिल होने का फैसला किया है। शिंदे गुट में लोकसभा सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो गई है। उद्धव गुट में 9 में सिर्फ 3 सांसद बचे हैं। सांसदों के दल-बदल पर उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे ने एक्स पर लिखा- पार्टी छोड़ने वाले सांसदों ने साबित कर दिया है कि उनकी वफादारी बिकाऊ है। कम से कम यह मान लीजिए कि लालच की वजह से आपने रातोंरात बिना किसी शर्म के यह सब छोड़ दिया। इससे पहले उद्धव ठाकरे ने मुंबई में अपने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ बैठक की, जिसमें मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा हुई। हालांकि, बैठक में उद्धव गुट के 3 से 4 विधायक नहीं पहुंचे। इससे पार्टी में नई टूट की अटकलें तेज हैं। पार्टी ने 2024 के विधानसभा चुनाव में 288 में 20 सीटें जीती थीं। उद्धव ने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ बैठक के बाद मीडिया से कहा- उन्हें (बागी सांसदों को) अपना पक्ष रखने दीजिए। सही समय आने पर हम अपना पक्ष रखेंगे। वहीं पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा- शिंदे ने 6 गद्दार पैदा किए हैं। हालात संभालने के लिए अब सर्जरी करनी पड़ेगी। इससे पहले संजय राउत ने एक्स पर बताया था कि उद्धव 27 जून से महाराष्ट्र में जनसंपर्क अभियान शुरू करने जा रहे हैं। इस दौरान वे बागी सांसदों के लोकसभा क्षेत्रों में भी जाएंगे। जारी शेड्यूल के अनुसार, उद्धव 27 जून को यवतमाल, वाशिम और हिंगोली जाएंगे। 28 जून को परभणी और धाराशिव का दौरा करेंगे। 29 जून को शिर्डी पहुंचेंगे। उद्धव गुट के 6 सांसदों के बागी होने से लोकसभा में शिंदे गुट की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो जाएगी। उद्धव गुट में 9 में सिर्फ 3 सांसद बचेंगे। बागी सांसदों में संजय देशमुख, नागेश पाटिल अष्टीकर, संजय जाधव, भाऊसाहेब वाकचौरे, संजय दीना पाटिल और ओमप्रकाश राजे निंबालकर शामिल हैं। ये सभी सांसद 18 जून को शिवसेना की संसदीय दल की बैठक में शामिल नहीं हुए थे। बैठक में सिर्फ 3 सांसद- अनिल साई, अरविंद सावंत और राजाभाऊ वाजे पहुंचे। पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा था कि हमारे सांसदों को किडनैप किया गया है। जो बैठक में नहीं आएगा वो गद्दार है।

### ट्रम्प के इशारों पर काम नहीं करता-नेतन्याहू लेबनान में इजराइली सेना हटाने से इनकार

**तेहरान ।** इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि लोग यह समझते हैं कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कहने पर काम करते हैं, लेकिन यह सच नहीं है। यरुशलम में आयोजित एक समिट में बोलते हुए नेतन्याहू ने कहा, अमेरिका में लोग कहते हैं कि राष्ट्रपति ट्रम्प वही करते हैं जो मैं उनसे कहता हूं। वहीं इजराइल में कुछ लोग सोचते हैं कि मैं वही करता हूं जो ट्रम्प चाहते हैं। लेकिन दोनों ही बातें गलत हैं। इजराइली पीएम ने कहा कि इजराइल और अमेरिका करीबी सहयोगी जरूर हैं, लेकिन दोनों देशों के अपने-अपने हित हैं और हर मुद्दे पर उनकी राय एक जैसी नहीं होती। नेतन्याहू ने दोहराया कि इजराइल, ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार इस पर कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक जरूरत महसूस होगी तब तक इजराइली सेना दक्षिणी लेबनान में रहेगी।

## कतर गैस प्लांट हादसा- धमाके में 12 भारतीयों समेत 13 लोगों की मौत

**दोहा।** कतर से एक बेहद दुखद खबर आ रही है। यहां के रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी में बड़ा हादसा हुआ है। एक गैस प्लांट में अचानक भीषण धमाका हो गया। इस धमाके में 12 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई है। हादसे में कुल 13 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। मरने वालों में भारतीय और पाकिस्तानी मूल के मजदूर शामिल हैं। इस भयंकर विस्फोट में 66 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। कतर के ऊर्जा मंत्री साद बिन श्रीदा अल-काबी ने इस घटना की आधिकारिक पुष्टि की है।

**काम शुरू होते ही हुआ जोरदार ब्लास्ट**

यह हादसा बारजान लोकल गैस सप्लाई फैसिलिटी में हुआ। रविवार शाम को प्लांट में काम दोबारा शुरू किया जा रहा था। ऑपरेशन्स के स्टार्टअप के दौरान ही अचानक जोरदार ब्लास्ट हुआ। धमाका इतना तेज था कि पूरे प्लांट में भीषण आग लग गई। कतरएनर्जी की इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों ने तुरंत मौके पर मोर्चा संभाला।

# उत्तराखंड के गुरुद्वारे में निहंगों का हंगामा- आस्था, कानून और संवाद की परीक्षा

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित नागरासू गुरुद्वारे में जून 2026 में हुई एक घटना ने न केवल स्थानीय प्रशासन बल्कि पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। हथियारों से लैस निहंग सिखों के एक समूह ने गुरुद्वारे में घुसकर हंगामा किया, संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और एक सिख श्रद्धालु को बंधक बनाकर छत पर ले गए। उनकी मांग थी कि चमोली जिले के कर्णप्रयाग में हुई झड़प के बाद गिरफ्तार किए गए उनके चार साथियों को रिहा किया जाए। यह घटना केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि धार्मिक पहचान, सामुदायिक नेतृत्व और न्यायिक प्रक्रिया के बीच संतुलन की चुनौती भी प्रस्तुत करती है। घटना की शुरुआत 16 जून को चमोली जिले के कर्णप्रयाग बाजार में हुई एक झड़प से जुड़ी है। बताया गया कि श्री हेमकुंड साहिब से लौट रहे कुछ निहंग सिखों और स्थानीय लोगों के बीच पार्किंग को लेकर विवाद हो गया। प्रारंभिक बहस जल्द ही हिंसक संघर्ष में बदल गई। आरोप है कि कुछ निहंगों ने तलवारों से हमला किया, जिससे चार स्थानीय लोग घायल हो गए। इस झड़प में एक निहंग भी घायल हुआ। घटना के बाद पुलिस ने मोहाली, पंजाब के चार निहंग सिखों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद निहंग समुदाय के कुछ सदस्यों ने इसे एकतरफा कार्रवाई बताते हुए विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई। इसी सिलसिले में वे रुद्रप्रयाग जिले के नागरासू गुरुद्वारे पहुंचे। बदरीनाथ हाईवे पर स्थित यह गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब जाने और लौटने वाले सिख श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है। गुरुद्वारा प्रबंधन के अनुसार, निहंगों ने मांग की कि आगामी विरोध प्रदर्शन के लिए आने वाले लोगों के ठहरने हेतु 50 से 60 कमरों की व्यवस्था की जाए। जब प्रबंधन इतनी बड़ी व्यवस्था करने में असमर्थ रहा, तब स्थिति तनावपूर्ण हो गई। आरोप है कि निहंगों ने गुरुद्वारे में हंगामा किया, तीसरी मंजिल पर कब्जा कर लिया और वहां मौजूद एक बुजुर्ग सिख श्रद्धालु को बंधक बना लिया। पुलिस के अनुसार, समूह के सदस्य भाले, तलवारें, कुल्हाड़ियां और कृपाण जैसे पारंपरिक हथियारों से लैस थे। उन्होंने तीसरी मंजिल की ओर जाने वाले रास्ते को बंद कर दिया और छत से नारेबाजी शुरू कर दी। इससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। हालांकि प्रशासन ने स्थिति को संभालने में संयम का परिचय दिया। रुद्रप्रयाग की पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने कहा कि पुलिस, जिला प्रशासन और गुरुद्वारा प्रबंधन लगातार निहंगों से बातचीत कर रहे हैं। प्रशासन का उद्देश्य बल प्रयोग के बजाय संवाद के माध्यम से समाधान निकालना था। यह रणनीति आंशिक रूप से सफल भी रही, क्योंकि बातचीत के दौरान एक निहंग छत से नीचे आया और प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा की। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने स्पष्ट किया कि यह गुरुद्वारे के भीतर का विवाद है और प्रशासन कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने यह भी कहा कि हेमकुंड साहिब यात्रा पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। गुरुद्वारे में अरदास, लंगर और अन्य धार्मिक गतिविधियां सामान्य रूप से जारी रहीं।

यह घटना निहंग परंपरा को लेकर भी चर्चा का विषय बनी है। निहंग सिख परंपरा में योद्धा समुदाय के रूप में जाने जाते हैं। उनका इतिहास सिख धर्म की सैन्य परंपराओं से जुड़ा हुआ है। वे अक्सर पारंपरिक नीले वस्त्र पहनते हैं और अपने साथ धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के हथियार रखते हैं। सिख इतिहास में निहंगों ने धर्म और समुदाय की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लेकिन आधुनिक लोकतांत्रिक समाज में किसी भी प्रकार का विरोध प्रदर्शन कानून और संवैधानिक दायरे में होना आवश्यक है। चाहे किसी समुदाय की शिकायत कितनी भी गंभीर क्यों न हो, हिंसा, बंधक बनाना या सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं माना जा सकता। यही कारण है कि इस घटना ने धार्मिक अधिकारों और कानूनी जिम्मेदारियों के बीच संतुलन को लेकर बहस को जन्म दिया है। दूसरी ओर, यह भी आवश्यक है कि गिरफ्तार व्यक्तियों के मामले में निष्पक्ष जांच हो। यदि किसी समुदाय को लगता है कि उसके साथ अन्याय हुआ है, तो उसकी शिकायतों को सुना जाना चाहिए। उत्तराखंड सरकार द्वारा कर्णप्रयाग झड़प की जांच के आदेश इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। निष्पक्ष जांच से न केवल सच्चाई सामने आएगी, बल्कि किसी भी प्रकार की गलतफहमी और असंतोष को भी कम किया जा सकेगा। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे सकारात्मक पहलू प्रशासन द्वारा अपनाई गई संवाद की नीति रही। ऐसे संवेदनशील मामलों में बल प्रयोग कई बार स्थिति को और अधिक जटिल बना सकता है। पुलिस और प्रशासन ने धैर्य, बातचीत और विश्वास निर्माण के माध्यम से स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया, जिससे किसी बड़े टकराव की संभावना कम हुई। यह घटना हमें यह भी याद दिलाती है कि धार्मिक स्थलों का मूल उद्देश्य शांति, सेवा और आध्यात्मिकता है। गुरुद्वारे विशेष रूप से सेवा, समानता और भाईचारे के प्रतीक माने जाते हैं। ऐसे स्थानों का किसी भी प्रकार के संघर्ष या हिंसक प्रदर्शन का केंद्र बनना चिंताजनक है। धार्मिक संस्थानों और समुदायों की जिम्मेदारी है कि वे संवाद और शांति के मूल्यों को प्राथमिकता दें। अंततः रुद्रप्रयाग का यह घटनाक्रम केवल एक स्थानीय विवाद नहीं है। यह दिखाता है कि जब भावनाएं, पहचान और न्याय की मांग एक साथ जुड़ जाती हैं, तब स्थिति कितनी संवेदनशील हो सकती है। ऐसे समय में प्रशासन, धार्मिक नेतृत्व और समाज सभी की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। आने वाले दिनों में जांच के निष्कर्ष और प्रशासनिक कार्रवाई इस मामले की दिशा तय करेंगे। लेकिन एक बात स्पष्ट है कि किसी भी लोकतांत्रिक समाज में संवाद, कानून का सम्मान और शांतिपूर्ण समाधान ही स्थायी रास्ता हो सकता है। उत्तराखंड की यह घटना इसी महत्वपूर्ण सीख की याद दिलाती है।

## सम्पादकीय

### राम भारत की उस आत्मा में समाये हुए

**अयोध्या** के नवनिर्मित श्री राम मन्दिर में चढ़ावे की कथित चोरी या घपले की खबर नितान्त पीड़ादायक है क्योंकि भगवान श्री राम से भारत व विश्व के करोड़ों हिन्दुओं की आस्था व श्रद्धा जुड़ी हुई है। श्री राम का मर्यादित आदर्श मनुष्य चरित्र भारतीयों के लिए अनुकरणीय इस तरह रहा है कि हर घर में रामायण का होना निश्चित होना माना जाता है और किसी भी विवाह में इसकी प्रति भेंट करना सबसे अमूल्य उपहार होती है। इसलिए स्वतन्त्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी जनजीवन में व्याप्त राम के प्रति अगाध सम्मान को संज्ञान में लेते हुए रामराज्य की परिकल्पना का चित्रण स्वतन्त्र भारत के लिए किया और रघुपति राघव राजा राम पतित पावन सीताराम को भारतीयों की सहिष्णुता व एकता का परिचायक बना दिया। इसका प्रमुख कारण यह था कि गांधी जानते थे कि स्वतन्त्रता आन्दोलन से आम जनता को जोड़ने के लिए उसके आदर्श प्रतीक ही पूरे समाज में नव ऊर्जा का संवाहन कर सकते हैं। अतः श्री राम भारत की उस आत्मा में समाये हुए हैं जिसे भारतीयता भी कहते हैं। इसलिए उनके मन्दिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ावे में यदि हेर-फेर की सूचना आती है तो इससे समूचे भारत की सांस्कृतिक पहचान पर गहरी चोट पहुंचती है। हालांकि महात्मा गांधी की कुछ क्षेत्रों में इस बात को लेकर आलोचना भी हुई कि उन्होंने हिन्दू प्रतीकों को ही क्यों चुना मगर गांधी ने इसका उत्तर सर्वदा रामराज्य परिकल्पना से ही दिया परन्तु स्वतन्त्र भारत में जिस तरह अयोध्या में 80 व 90 के दशक में राम मन्दिर निर्माण आन्दोलन चला उसने भारतीय राजनीति को ही आमूल-चूल रूप से बदल कर रख दिया और इस आन्दोलन ने राष्ट्रीय आकार ले लिया जिसमें हिन्दू समाज के सभी वर्गों के लोगों ने अपनी आहुती दी और यह नारा बुलन्द किया कि 'मन्दिर वहीं बनायेंगे, जहां राम का जन्म हुआ था'। तब हमने देखा कि अयोध्या में राम जन्म स्थान पर 16वीं सदी में खड़ी की गई बाबरी मस्जिद किस तरह ढहा दी गई और बाद में इसका मुकदमा स्थानीय न्यायालय से होते हुए सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और वहां से विवादित स्थान हिन्दू समुदाय को मन्दिर निर्माण के लिए दिया गया। लगभग पांच सौ साल के लम्बे संघर्ष के बाद भारत के हिन्दुओं को अयोध्या का वह स्थल मिला जिसे वे मानते थे कि वहीं पर भगवान श्री राम का जन्म हुआ था। इस संघर्ष में सैकड़ों लोग शहीद भी हुए मगर उनकी आस्था नहीं डिगी और वे मानते रहे कि भारत में मुस्लिम आक्रान्ताओं ने उस दौर में भारत पर अपना दबदबा कायम करने के लिए हिन्दू धर्म के आस्था केन्द्रों की पहचान बदली और उनका इस्लामीकरण किया। बाबरी मस्जिद को तब आन्दोलनकारी नेताओं ने गुलामी का प्रतीक बताया और उससे आजादी पाने का अभियान शुरू किया, तब जाकर अयोध्या में श्रीराम मन्दिर निर्माण एक ट्रस्ट गठित करके किया गया। मन्दिर निर्माण के बाद ट्रस्ट का पुनर्गठन हुआ और इसकी देखरेख का जिम्मा इसे सौंप दिया गया, जिसमें श्री राम पर चढ़ने वाले चढ़ावे का हिसाब-किताब रखने के लिए अलग से प्रभाग था। मगर मन्दिर प्रबन्धन की तरफ से इसमें ढीलढाल बरती गई जिसकी वजह से चढ़ावे की धनराशि व कीमती वस्तुओं की चोरी किये जाने का कथित मामला प्रकाश में आया है। वास्तव में यदि ऐसा हुआ है तो यह ऐसा कुकृत्य है जिसे किसी भी स्तर पर क्षमा नहीं किया जा सकता क्योंकि मन्दिर में एक गरीब मजदूर भी अपने खून-पसीने की कमाई में से ही कुछ अंश का दान करता है।

# न्याय और बदलाव की राजनीति के बीच कोलंबिया का नया चेहरा

**कोलंबिया** के राष्ट्रपति चुनाव 2026 में एक ऐसा नाम सबसे अधिक चर्चा में है, जिसने कभी स्वयं को राष्ट्रपति पद का दावेदार नहीं माना था। 63 वर्षीय सीनेटर इवान सेपेदा आज देश के सबसे प्रभावशाली वामपंथी नेता के रूप में उभरे हैं और राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हैं। शांत स्वभाव, संयमित भाषा और एक शिक्षक जैसी सादगीपूर्ण छवि वाले सेपेदा की राजनीतिक यात्रा केवल चुनावी राजनीति की कहानी नहीं है, बल्कि न्याय, मानवाधिकार और दशकों पुराने सशस्त्र संघर्ष के खिलाफ लड़ाई की कहानी भी है। बोगोटा में जून 2026 की एक चुनावी रैली में जब युवा समर्थक ÷सेपेदा प्रेसिडेंटे÷ के नारे लगा रहे थे, तब यह स्पष्ट हो गया था कि वह केवल एक उम्मीदवार नहीं, बल्कि कोलंबिया के वामपंथी आंदोलन की नई उम्मीद बन चुके हैं। हालांकि एक वर्ष पहले तक स्वयं सेपेदा राष्ट्रपति बनने को अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं मानते थे। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि राष्ट्रपति पद अत्यंत बड़ी जिम्मेदारी है और उन्होंने कभी गंभीरता से इस पद के लिए नहीं सोचा था। लेकिन राजनीति कभी-कभी परिस्थितियों से दिशा तय करती है। सेपेदा का जीवन भी इसी का उदाहरण है। उनकी पूरी राजनीतिक पहचान कोलंबिया के छह दशक लंबे सशस्त्र संघर्ष और उससे जुड़े मानवाधिकार प्रश्नों से निर्मित हुई है। इवान सेपेदा का जन्म ऐसे दौर में हुआ जब कोलंबिया गृह संघर्ष, वैचारिक हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा था। उनके पिता मैनुअल सेपेदा और माता यिरा कास्त्रो दोनों कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े थे। उनके पिता राजनीतिक समाधान और शांति वार्ता के समर्थक थे। 1980 के दशक में जब कोलंबियाई सरकार और वामपंथी विद्रोही संगठन एफएआरसी के बीच शांति प्रक्रिया शुरू हुई, तब पैट्रियोटिक यूनियन नामक एक राजनीतिक दल का गठन हुआ। मैनुअल सेपेदा इसी दल से सीनेटर चुने गए। लेकिन 1994 में संसद पहुंचने के एक वर्ष के भीतर उनकी हत्या कर दी गई। बाद में अनेक रिपोर्टों में आरोप लगाए गए कि इस हत्या में अर्धसैनिक समूहों और राज्य एजेंसियों की भूमिका थी। अपने पिता की हत्या ने इवान सेपेदा के जीवन की दिशा बदल दी। उन्होंने अपने पिता के हत्यारों को न्याय के कटघरे तक पहुंचाने और संघर्ष के पीड़ितों की आवाज बनने का संकल्प लिया। यही संकल्प आगे चलकर उनकी राजनीतिक पहचान का आधार बना। मानवाधिकार कार्यकर्ता के रूप में वर्षों तक काम करने के बाद सेपेदा 2010 में संसद पहुंचे। अपने पहले ही दिन वे संसद में बाल्टी और पोछा लेकर पहुंचे थे। उनका संदेश स्पष्ट था—वह भ्रष्टाचार और राजनीतिक अपराधों से दागदार व्यवस्था को साफ करना चाहते हैं। संसद में उनका सबसे बड़ा राजनीतिक संघर्ष पूर्व राष्ट्रपति अल्वारो उरीबे के साथ रहा। उरीबे को कोलंबिया के दक्षिणपंथी राजनीति का सबसे प्रभावशाली चेहरा माना जाता है। सेपेदा ने उन पर अर्धसैनिक समूहों और मादक पदार्थ तस्करों से संबंध रखने के आरोप लगाए। दोनों नेताओं के बीच वर्षों तक कानूनी लड़ाई चली। 2025 में उरीबे को रिश्वत और गवाहों को प्रभावित करने के मामले में दोषी ठहराया गया, हालांकि बाद में फैसला पलट दिया गया। इसके बावजूद इस मुकदमे ने सेपेदा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। वामपंथी राजनीति में वह एक ऐसे नेता के रूप में स्थापित हुए जिसने देश के सबसे शक्तिशाली दक्षिणपंथी नेता को अदालत तक पहुंचाया। इसी पृष्ठभूमि में वह राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में आए और राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो की पार्टी हिस्टोरिक पैक्ट के उम्मीदवार बने। पेट्रो कोलंबिया के पहले वामपंथी राष्ट्रपति रहे हैं और उन्होंने सामाजिक न्याय, भूमि सुधार तथा असमानता कम करने की नीतियों को बढ़ावा दिया। सेपेदा ने अपने चुनाव अभियान में इन नीतियों को आगे बढ़ाने का वादा किया है। उनका कहना है कि पेट्रो द्वारा शुरू किए गए सुधारों को केवल जारी ही नहीं रखा जाएगा, बल्कि उन्हें और व्यापक बनाया जाएगा। कृषि सुधार, सामाजिक कल्याण कार्यक्रम और आर्थिक असमानता कम करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल हैं। हालांकि चुनावी मुकाबला उनके लिए आसान नहीं है। रन-ऑफ चुनाव में उनका मुकाबला दक्षिणपंथी उम्मीदवार से है। आपराधिक मामलों के वकील रहे डे ला एस्प्रिएला कानून-व्यवस्था और सुरक्षा को अपना मुख्य चुनावी मुद्दा बना रहे हैं। उन्होंने अपराध और विद्रोही हिंसा के खिलाफ कठोर कार्रवाई का वादा किया है। पहले दौर के मतदान में डे ला एस्प्रिएला को लगभग 43 प्रतिशत वोट मिले थे और वह सबसे आगे रहे। उनकी लोकप्रियता का मुख्य कारण सुरक्षा को लेकर जनता की चिंता है। पिछले कुछ वर्षों में कोलंबिया में हिंसा और सशस्त्र समूहों की गतिविधियां फिर बढ़ी हैं, जिससे मतदाताओं के बीच असुरक्षा की भावना पैदा हुई है। यही मुद्दा सेपेदा की सबसे बड़ी चुनौती भी है। उन्होंने राष्ट्रपति पेट्रो की टोटल पीस नीति के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस नीति का उद्देश्य विद्रोही संगठनों और आपराधिक समूहों के साथ बातचीत के माध्यम से स्थायी शांति स्थापित करना था। लेकिन आलोचकों का कहना है कि यह रणनीति अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकी। कई सशस्त्र समूहों ने अपने प्रभाव का विस्तार किया और देश के कुछ हिस्सों में हिंसा बढ़ गई। इस कारण विपक्ष ने सेपेदा को सीधे तौर पर सुरक्षा विफलताओं से जोड़ना शुरू कर दिया। चुनाव के दूसरे चरण में पहुंचने के बाद सेपेदा ने अपनी रणनीति में बदलाव के संकेत दिए हैं। उन्होंने माना है कि ÷टोटल पीस÷ नीति में कई कमियां थीं और इसकी समीक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा है कि वे उन सशस्त्र संगठनों से बातचीत नहीं करेंगे जो नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं पर हमले करते हैं। इसके अलावा उन्होंने संविधान में बड़े बदलावों की उस विवादास्पद योजना से भी दूरी बना ली है, जिसे राष्ट्रपति पेट्रो आगे बढ़ा रहे थे। यह कदम मध्यमार्गी और अनिर्णीत मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। फिर भी राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सेपेदा के लिए चुनाव जीतना कठिन होगा। दक्षिणपंथी दलों का बड़ा हिस्सा डे ला एस्प्रिएला के पीछे एकजुट हो चुका है। दूसरी ओर, कई मध्यमार्गी नेता अब तक किसी एक उम्मीदवार का खुलकर समर्थन नहीं कर रहे हैं। हालांकि सेपेदा की सबसे बड़ी ताकत उनका जमीनी संगठन और वामपंथी समर्थकों का मजबूत नेटवर्क है। ग्रामीण क्षेत्रों और बड़े शहरों के श्रमिक वर्ग में उन्हें व्यापक समर्थन प्राप्त है। यदि मतदान प्रतिशत बढ़ता है तो वे चुनावी समीकरण बदल सकते हैं। अंततः इवान सेपेदा का चुनाव अभियान केवल सत्ता प्राप्त करने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह कोलंबिया की दो अलग-अलग राजनीतिक दृष्टियों के बीच संघर्ष का प्रतीक बन गया है। एक ओर सामाजिक न्याय, शांति वार्ता और सुधारों का एजेंडा है, तो दूसरी ओर सुरक्षा, कठोर प्रशासन और पारंपरिक व्यवस्था की वापसी की मांग। राष्ट्रपति चुनाव का परिणाम चाहे जो भी हो, इवान सेपेदा पहले ही कोलंबिया की राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान बना चुके हैं। अपने पिता की हत्या से शुरू हुई न्याय की लड़ाई उन्हें देश के सर्वोच्च पद की दहलीज तक ले आई है। अब देखना यह है कि क्या यह संघर्ष उन्हें राष्ट्रपति भवन तक पहुंचा पाता है या नहीं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। Phone : 9810674206

# यूलिया वंतूर ने सलमान खान के पिता को बताया 'जिंदगी का अहम सहारा', साथ में साझा की तस्वीरें

एक्टर और सिंगर यूलिया वंतूर ने बीते दिन फादर्स डे पर अपनी जिंदगी के दो अहम पिताओं के लिए इंस्टाग्राम पर एक दिल को छू लेने वाला पोस्ट शेयर किया। उन्होंने अपने पिता के साथ तस्वीरें शेयर कीं और सलमान खान के पिता व मशहूर स्क्रीनराइटर सलीम खान को भी फादर्स डे की बधाई दी। यूलिया ने अपने पिता के साथ कई तस्वीरें शेयर कीं। हालांकि, फैंस सलीम खान के साथ उनके खास पलों को देखकर बहुत उत्साहित थे। एक तस्वीर में वह सलीम के साथ हंसती हुई दिख रही हैं, जबकि दूसरी में वह उन्हें प्यार से गले लगा रही हैं। कैप्शन में उन्होंने सलीम खान को अपनी जिंदगी का एक अहम सहारा बताया। अपनी कैरोसेल पोस्ट में उन्होंने वेटिकन सिटी में और पोप के सामने सलमान खान की हिट फिल्म बॉडीगार्ड का गाना तेरी मेरी प्रेम कहानी गाते हुए अपना एक वीडियो भी शेयर किया। उन्होंने अपने अंदर संगीत के प्रति प्यार जगाने का श्रेय अपने पिता को दिया। पोस्ट शेयर करते हुए यूलिया ने लिखा, 'हैप्पी फादर्स डे! मेरे उस पिता को जिन्होंने मेरी परवरिश की और उन्हें भी जिन्होंने मुझे बड़ा होते देखा। दोनों ही मेरी जिंदगी के अहम सहारे हैं। मैं आपसे प्यार करती हूं। आज म्यूजिक डे और योगा दिवस भी है और मुझे एहसास हुआ है कि ये सब आपस में जुड़े हुए हैं। संगीत, योग/आध्यात्मिकता। संगीत के प्रति प्यार मुझे अपने पिता से मिला और भारत में यह और बढ़ा। योग की समझ, गहराई और शांति को मैंने अपनी जिंदगी में पिता की मौजूदगी से समझा है।' काफी समय से सलमान और यूलिया के डेटिंग की खबरें आ रही हैं। वह रोमानिया की टेलीविजन प्रेजेंटर, मॉडल, एक्ट्रेस और सिंगर हैं। उन्होंने रेस 3 के सेल्फिश और अरिजीत सिंह के साथ तेरे संग जैसे मशहूर बॉलीवुड गानों में अपनी आवाज दी है। भारत में वह सलमान और उनके परिवार के साथ अपनी करीबी दोस्ती के लिए जानी जाती हैं और अक्सर उनके परिवार की पार्टियों, सेलिब्रेशन और दूसरे खास मौकों पर देखी जाती हैं।

# ओम पुरी के एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर से टूट गई थीं पत्नी सीमा, साझा किया बच्चे को खोने का दर्द; ऐसे खुद को उबारा

ओम पुरी को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन और दिग्गज अभिनेताओं में से एक माना जाता है। लेकिन उनकी निजी जिंदगी, खासकर शादीशुदा जिंदगी काफी उतार-चढ़ाव भरी रही। हाल ही में ओम पुरी की पहली पत्नी सीमा कपूर ने उस दर्दनाक दौर को याद किया जब ओम पुरी की जिंदगी में किसी दूसरी महिला के आने के बाद उनकी शादी टूट गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि उस मुश्किल समय में उन्होंने अपने होने वाले बच्चे को खो दिया था। हिंदी रश से बात करते हुए सीमा कपूर ने बताया कि उनके वैवाहिक जीवन में मुश्किलें तब शुरू हुईं जब ओम पुरी का किसी और महिला से संबंध हो गया, जबकि वह उनके बच्चे के साथ प्रेग्नेंट थीं। यह जानने के बाद उन्होंने बताया कि वह राजस्थान में अपने मायके चली गईं। हालांकि, इस कठिन दौर में सीमा ने अपना बच्चा खो दिया। उन्होंने बताया कि दुर्भाग्य से बच्चा मेरा नहीं बच पाया। वह उस समय मेरे लिए बहुत कीमती था। क्योंकि पुरी साहब अब लौटकर आने वाले नहीं थे। मैं जिंदगी में कभी शादी करने वाली नहीं थी। तो वह बचा था और वह नहीं हुआ। सीमा ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने खोए हुए बच्चे को पत्र लिखकर इस दुख से खुद को उबारा। उन्होंने कहा कि उनके भाई और अभिनेता अन्नू कपूर चाहते थे कि वह ओम पुरी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करें, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। अन्नू भाई मुझे दुख में नहीं देख सकते थे। इसलिए वो लड़ना चाहते थे। लेकिन मैं किसी तरह की लड़ाई नहीं लड़ना चाहती थी। सीमा ने बताया कि अपनी मां के पास राजस्थान जाने के उनके फैसले ने उनके रिश्ते में और अधिक दूरी पैदा कर दी, क्योंकि इससे नंदिता की ओम के साथ निकटता बढ़ गई। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें एक के बाद एक कई झटके लगे, क्योंकि अपने बच्चे को खोने के बाद ओम पुरी ने उन्हें तलाक के कागजात सौंप दिए, जिससे उनके लिए इस सदमे से उबरना मुश्किल हो गया। सीमा ने यह भी बताया कि कई साल बाद ओम पुरी उनकी जिंदगी में वापस आए और माफी मांगी। उन्होंने कहा कि लंदन में अपनी एक सर्जरी से पहले उन्होंने फोन किया और माफी मांगी, क्योंकि उन्हें पक्का नहीं था कि वो बचेंगे या नहीं। ओम पुरी ने सबसे पहले 1991 में सीमा कपूर से शादी की थी, लेकिन एक साल से भी कम समय में वे अलग हो गए। बाद में उन्होंने 1993 में नंदिता कपूर से शादी की, लेकिन 20 साल की उनकी शादी 2013 में कड़वाहट भरे अलगाव के साथ खत्म हो गई।

# 'बिना स्क्रिप्ट लगातार 27-28 घंटे किया काम', दीया मिर्जा ने अपने शुरुआती दिनों को किया याद

पिछले साल दीपिका पादुकोण के स्पिरिट और कल्कि 2898 AD से बाहर होने के बाद फिल्म इंडस्ट्री में एक्टर्स के लिए काम के तय घंटों को लेकर बहस छिड़ गई थी। इस मसले पर इंडस्ट्री दो भागों में बंटी नजर आई। अब एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने हाल ही में याद किया कि कैसे एक नई एक्ट्रेस होने के बावजूद वह लगातार 27 से 28 घंटे तक काम करती थीं और वह भी बिना कोई स्क्रिप्ट मिले। फिल्म निर्माता और कोरियोग्राफर फराह खान हाल ही में दीया मिर्जा के घर गईं। इस दौरान फराह खान के वीडियो व्लॉग में दीया ने बताया कि यह घर उन्होंने 19 साल की उम्र में खरीदा था। बातचीत के दौरान फराह ने रहना है तेरे दिल में और तुमको ना भूल पाएंगे में दीया के अभिनय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि दीया बेहद आत्मविश्वास से भरी हुई नज़र आईं और पर्दे पर कभी भी नई कलाकार जैसी नहीं लगीं। दीया ने आगे कहा कि जिन लोगों को आप लॉन्च करने की बात करते हैं, जब मैं आपसे उनके प्रति आपके प्यार, देखभाल और ध्यान के बारे में कहानियां सुनती थी। उनके वर्कशॉप करवाए, क्लास लगवाए, तमीज से सिखाया कि एक्टिंग क्या होती है, डांस क्लासेस करवाईं, मुझे इनमें से कुछ भी नहीं मिला। उस वक्त अपने टाइट शेड्यूल और मुश्किलों का जिक्र करते हुए दीया ने आगे कहा कि सीधे 5 फिल्मों में काम करने भेज दिया, दिन के 24 घंटे, 27, 28 घंटे लगातार। मैं हमेशा कहती थी कि एक बार पूजा फिल्म्स के साथ काम कर लो, तो देश के किसी भी प्रोडक्शन हाउस के साथ काम करने के लिए तैयार हो जाओ। क्योंकि हमने बहुत मेहनत की। कोई स्क्रिप्ट नहीं मिली। बस ऑनलाइन सुनाया और बोला कि ये सुपरहिट होने वाली है, बस इसे कर लो। दीया मिर्जा ने साल 2001 में रोमांटिक फिल्म रहना है तेरे दिल में से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। इस फिल्म में उनके साथ आर. माधवन और सैफ अली खान प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। वहीं दीया मिर्जा के आने वाले प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वो अब नेटफ्लिक्स की फिल्म इक्का में नजर आएंगी। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक बड़ी कानूनी लड़ाई पर आधारित है। फिल्म में दीया के अलावा सनी देओल, अक्षय खन्ना, तिलोत्तमा शोम, संजीदा शेख, शिशिर शर्मा और आकांक्षा रंजन कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 10 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है।

## वर्धन पुरी ने अपने दादू अमरीश पुरी को किया याद, जयंती पर दी श्रद्धांजलि; शेयर की यादगार तस्वीरें

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अमरीश पुरी की 94वीं जयंती पर उनके पोते और अभिनेता वर्धन पुरी ने उन्हें बेहद भावुक अंदाज में याद किया। 22 जून को वर्धन ने सोशल मीडिया पर अपने दादाजी के साथ बचपन की और कुछ पुरानी पारिवारिक तस्वीरें शेयर कीं। इसके साथ ही वर्धन ने अपने दादाजी के लिए एक प्यारा सा मैसेज भी लिखा। वर्धन पुरी ने इंस्टाग्राम पर अपने दादा अमरीश पुरी की कई तस्वीरें शेयर कीं और लिखा कि पूरी दुनिया उन्हें एक बेहतरीन अभिनेता के रूप में जानती है, लेकिन वे घर पर जितने नरम दिल और प्यार करने वाले इंसान थे, अगर फैंस यह देख पाते तो उनसे और भी यादा प्यार करते। वर्धन ने बताया कि अमरीश पुरी के जन्मदिन को खास बनाने के लिए परिवार ने डाइनिंग टेबल पर उनकी पसंदीदा चीजें जैसे दाल-रोटी और पूरी-चना बनाईं। साथ ही, उनके पसंदीदा सिंगर्स- के.एल. सहगल और किशोर कुमार के गाने गाकर उन्हें याद किया। वर्धन ने यह भी लिखा कि वे अपने दादू की तरफ से हलवा केक काटकर पूरे परिवार को खिलाएंगे। वर्धन ने पुरानी यादें ताजा करते हुए कहा कि उन्हें अपने दादाजी की शरारती मुस्कान, सीटी बजाना और बचपन में उनके साथ की जाने वाली मस्ती बहुत याद आती है। अमरीश पुरी का जन्म 22 जून, 1932 को हुआ था। थिएटर से शुरुआत करने के बाद उन्होंने लगभग 40 साल की उम्र में फिल्मों में कदम रखा और 80 और 90 के दशक के सबसे बड़े विलेन बने। 1987 की फिल्म मिस्टर इंडिया में उनका मोगैंबो का किरदार अमर हो गया। उनका डायलॉग मोगैंबो खुश हुआ आज भी बचा-बचा जानता है। वहीं दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे का डायलॉग जा सिमरन जा, जी ले अपनी जिंदगी भी बेहद मशहूर है। अमरीश पुरी को अलग-अलग तरह की टोपियां पहनने का बहुत शौक था। अमरीश पुरी ने 12 जनवरी, 2005 को दुनिया को अलविदा कह दिया था, लेकिन अपनी फिल्मों के जरिए वे आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं। वहीं उनके पोते वर्धन पुरी की बात करें, तो उन्होंने 2019 में फिल्म ये साली आशिकी से बॉलीवुड में कदम रखा था और हाल ही में वे ब्लडी इश्क जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आए हैं।

# आमिर खान ने गौरी स्प्रैट को कहा 'ब्लेसिंग', शादी की खबर पर बोले- 'नहीं पता जानकारी कैसे लीक हुई'

आमिर खान 5 जुलाई को अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट से रजिस्टर्ड मैरिज करने वाले हैं। यह अभिनेता की तीसरी शादी होगी। हालिया एक इंटरव्यू में आमिर खान ने बताया कि वह परिवार और दोस्तों के बीच सादगी भरे अंदाज में शादी करेंगे। वैरायटी इंडिया को दिए एक हालिया इंटरव्यू में आमिर खान ने कहा, 'यह शादी बहुत प्राइवेट होगी। घर पर होने वाली एक बहुत ही साधारण रजिस्टर्ड शादी होगी। इसमें सिर्फ हम दोनों के परिवार और करीबी दोस्त शामिल होंगे।' गौरी स्प्रैट के बारे में बात करते हुए आमिर खान ने उन्हें अपने लिए ब्लेसिंग कहा। इस वक्त को अपनी जिंदगी का खुशहाल दौर बताया। आमिर खान आगे इंटरव्यू में कहते हैं, 'मुझे समझ नहीं आता कि इतनी हलचल क्यों है? लोगों को सेलिब्रिटीज, खासकर क्रिकेटर्स और एक्टर्स की जिंदगी में बहुत यादा

दिलचस्पी होती है। लोगों को हमारे काम में दिलचस्पी होनी चाहिए, न कि हमारी निजी जिंदगी में। मुझे नहीं पता कि मेरी शादी की जानकारी कैसे लीक हुई? आजकल कुछ भी छिपा नहीं रहता।' बता दें कि पिछले साल अपने 60वें जन्मदिन के मौके पर आमिर खान ने गौरी स्प्रैट के साथ अपने रिश्ते को जगजाहिर किया था। गौरी स्प्रैट को आमिर लगभग 25 साल से जानते हैं, वह उनकी अच्छी दोस्त हैं। दोनों ने लगभग 18 महीनों तक डेट किया और इसके बाद अपना रिश्ता जगजाहिर किया। गौरी, आमिर खान की प्रोडक्शन कंपनी से भी जुड़ी हुई हैं। गौरी स्प्रैट बेंगलुरु की रहने वाली हैं और रीता स्प्रैट की बेटी हैं, जो बेंगलुरु के नामी सैलून चेन की मालकिन हैं। आमिर खान के करियर फ्रंट की बात करें तो उनके प्रोडक्शन हाउस तले एक फिल्म 'बंटवारा 1947' बन रही है। इसमें सनी देओल, शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, अली फजल जैसे चर्चित एक्टर भी नजर आएंगे। इस फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने तैयार किया है। गीत जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान राजकुमार संतोषी ने संभाली है। बंटवारा 1947 इस साल 14 अगस्त से सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# 'बेबी डू डाई डू' का ट्रेलर रिलीज, बिना शोर हुमा कुरैशी ने मचाया कोहराम

फिल्म 'बेबी डू डाई डू' के ट्रेलर में हुमा कुरैशी का लुक और किरदार दर्शकों को हैरान करने वाला है। इस थ्रिलर एक्शन ड्रामा फिल्म का ट्रेलर देखकर फैंस के बीच उत्सुकता पैदा हो सकती है। इस ट्रेलर में चंकी पांडे भी कॉमिक रोल से हटकर बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। साथ ही हुमा कुरैशी के कथित बॉयफ्रेंड रचित सिंह भी इस फिल्म का हिस्सा हैं, जानिए वह कौन सा किरदार निभा रहे हैं।

फिल्म 'बेबी डू डाई डू' के ट्रेलर में हुमा कुरैशी एक हिट वुमन बनी हैं, उनका अंदाज बिल्कुल देसी है। उनका किरदार सादगी भरे पहनावे और एक छाते के साथ नजर आता है। लेकिन एक ही गोली में किसी का भी काम तमाम कर सकता है। हुमा के किरदार का नाम बेबी है, जो ट्रेलर में कुछ लोगों की हत्या करती है। सबसे बड़ी बात इस फिल्म में उनका किरदार ना बोल सकता है और ना ही सुन सकता है। हुमा कुरैशी की फिल्म 'बेबी डू डाई डू' के ट्रेलर में रचित सिंह भी नजर आए हैं।

उनका किरदार एक सरदार व्यक्ति का है, जो हुमा कुरैशी के किरदार से प्यार कर बैठता है। इस किरदार के सामने हुमा कुरैशी के किरदार बेबी सचाई भी आ जाती है। अब आगे क्या होगा? आखिर क्यों हुमा का किरदार हत्याएं करता है? इन बातों से पर्दा फिल्म रिलीज के वक्त ही उठेगा। नचिकेत सामंत निर्देशित फिल्म 'बेबी डू डाई डू' में हुमा कुरैशी, रचित सिंह के अलावा सीमा पाहवा, चंकी पांडे और सिकंदर खेर जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। यह फिल्म 3 जुलाई को रिलीज होगी। इस फिल्म को हुमा कुरैशी के भाई और एक्टर साकिब सलीम ने प्रोड्यूस किया है।

# तस्वीर बदल चुकी है, दोबारा लौट रहे हैं यूलिप; एफडी पर घटते ब्याज के बीच बन रहा विकल्प

नई दिल्ली ।

देश के प्रमुख बैंक अपने ग्राहकों को यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) बेचने में सक्रिय हो गए हैं। इसकी मुख्य वजह है बैंक एफडी पर मिलने वाले ब्याज का घटना। वहीं, यूलिप में बाजार से जुड़ा बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना है। बैंक इसे एक समग्र वित्तीय समाधान के रूप में पेश कर रहे हैं, जिसमें बीमा कवर भी है और निवेश का अवसर भी। हाल के वर्षों में यूलिप की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। बीमा उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, निजी जीवन बीमा कंपनियों के कुल प्रीमियम संग्रह में यूलिप की हिस्सेदारी 50फीसदी से अधिक हो चुकी है, जो बाजार में इसकी बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाती है।

**पुराने से कितने अलग हैं नए यूलिप?**

एक दशक पहले भारी-भरकम शुल्क, कम रिटर्न और जटिल संरचना के कारण यूलिप की छवि खराब हो गई थी। लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। आईआरडीएआई के सख्त नियमों के बाद नए यूलिप में बड़े सुधार हुए हैं

शून्य प्रीमियम एलोकेशन चार्ज - अब आपका पूरा प्रीमियम निवेश में लगता है।

शून्य पॉलिसी एडमिनिस्ट्रेशन चार्ज - प्रशासनिक खर्च की कोई कटौती नहीं।

लचीलापन- नए यूलिप में लचीलापन सबसे बड़ा नया फीचर है। निवेशक बाजार की स्थिति के अनुसार डेट और इक्विटी फंड के बीच असीमित स्विच कर सकते हैं, वो भी बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के।

इक्विटी फंड की विविधता- निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार लार्ज कैप, मिड कैप, फ्लेक्सी कैप, इंडेक्स फंड सहित कई प्रकार के इक्विटी फंड में निवेश का विकल्प चुन सकते हैं।

नए यूलिप में मुख्य खर्च केवल फंड मैनेजमेंट चार्ज है, जो IRDAI के

अनुसार अधिकतम 1.35फीसदी प्रतिवर्ष तक सीमित है। यह म्यूचुअल फंड के खर्चों के करीब है। लंबी अवधि (10-15 वर्ष) में इक्विटी-आधारित यूलिप ने औसतन 10फीसदी–13फीसदी तक का रिटर्न दिया है, जो पारंपरिक बीमा योजनाओं के 4-5 फीसदी रिटर्न से कहीं बेहतर है।

**क्या है यूलिप और किसके लिए बेहतर?**

यूलिप एक ऐसा उत्पाद है जो बीमा और निवेश को एक साथ जोड़ता है। प्रीमियम का एक हिस्सा मृत्यु लाभ के लिए और शेष हिस्सा चुने गए फंड में निवेश के लिए उपयोग होता है। यह प्लान उन निवेशकों के लिए बेहतर है जो

दीर्घकालिक (10 वर्ष या अधिक) निवेश करना चाहते हैं

बीमा और निवेश एक ही छत के नीचे चाहते हैं

बाजार से जुड़े रिटर्न के साथ अनुशासित बचत करना चाहते हैं

**कब और किसे लेना चाहिए?**

यूलिप तब लेना उचित है जब आपके पास कम से कम 10 से 15 वर्ष का निवेश समय हो। कम अवधि में यूलिप का लाभ सीमित रहता है। यह बच्चों की शिक्षा, सेवानिवृत्ति योजना या दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण के लिए एक प्रभावी साधन हो सकता है। यदि आपके पास पहले से पर्याप्त टर्म इंश्योरेंस है और आप अतिरिक्त बीमा कवर के साथ निवेश करना चाहते हैं, तो यूलिप एक सहायक विकल्प हो सकता है। हालांकि, प्राथमिक जीवन बीमा के लिए टर्म प्लान सर्वोत्तम रहता है। यूलिप को सेकेंडरी कवर के रूप में तभी लें जब आपकी दीर्घकालिक निवेश योजना इससे मेल खाती हो।

**नई कर व्यवस्था में कितना कारगर है यूलिप?**

यूलिप की परिपक्वता पर कर लाभ आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(10D) के तहत मिलता है, लेकिन इसे समझना जरूरी है

1 फरवरी, 2021 के बाद जारी यूलिप (वार्षिक प्रीमियम 2.5 लाख रुपये से कम)- यदि सभी वर्षों में वार्षिक प्रीमियम 2.5 लाख रुपये से कम रहता है, तो परिपक्वता राशि धारा 10(10D) के तहत पूर्णतः कर-मुक्त होगी।

1 फरवरी, 2021 के बाद जारी यूलिप (वार्षिक प्रीमियम 2.5 लाख रुपये से अधिक)- यदि किसी भी वर्ष प्रीमियम 2.5 लाख रुपये से अधिक होता है, तो परिपक्वता पर प्राप्त लाभ कर योग्य हो जाता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हालिया केंद्रीय बजट में स्पष्ट किया है कि ऐसे यूलिप से होने वाले लाभ को दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ माना जाएगा और उस पर 12.5फीसदी की दर से कर लागू होगा, जो इक्विटी म्यूचुअल फंड के समान है।

नई कर व्यवस्था में धारा 80C का लाभ उपलब्ध नहीं है, अतः निवेशकों को यूलिप लेते समय अपनी कर व्यवस्था का ध्यान रखना चाहिए।

# न्यायालय आपके द्वार- सलेमपुर एसडीएम ने गांवों में चौपाल लगाकर निपटाए पुराने राजस्व विवाद

**धारा 24, 116 और 34 के तहत लंबित मुकदमों का मौके पर हुआ स्थलीय निस्तारण ग्रामीण अंचलों में जमीनी मुकदमों से मिलेगी बड़ी राहत।**

**देवरिया।** ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षों से लंबित चल रहे जमीनी विवादों के त्वरित और पारदर्शी समाधान के लिए जिला प्रशासन की विशेष मुहिम रंग लाने लगी है। न्यायालय आपके द्वार योजना के अंतर्गत सोमवार को उप जिलाधिकारी सलेमपुर दिशा श्रीवास्तव ने तहसील क्षेत्र के आधा दर्जन गांवों का सघन भ्रमण कर पैमाइश, बंटवारे और दाखिल-खारिज से जुड़े कई पुराने राजस्व वादों का मौके पर ही स्थायी निस्तारण सुनिश्चित कराया। कलेक्ट्रेट के इस नीतिगत कदम से न सिर्फ अदालतों का चक्कर काट रहे काश्तकारों को बड़ी राहत मिली है, बल्कि गांवों में आपसी रंजिशों को कम करने में भी मदद मिल रही है। प्रशासनिक रोस्टर के अनुसार, उप जिलाधिकारी ने राजस्व और पुलिस टीम के साथ रामपुर बुजुर्ग, चेरो, तकिया टोला, भीमपुर एवं कपूरी ग्रामों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान राजस्व न्यायालयों में लंबे समय से लंबित चल रहे धारा-24, धारा-116 और धारा-34 से संबंधित जटिल पत्रावलियों को मौके पर मंगाया गया। एसडीएम ने विवादित भूखंडों की वास्तविक स्थिति को परखा और दोनों पक्षों के काश्तकारों को एक साथ बैठाकर उनसे सीधा संवाद स्थापित किया। आपसी विमर्श और राजस्व अभिलेखों के मौके पर मिलान के बाद कई मुकदमों का सौहार्दपूर्ण माहौल में पटाक्षेप कराया गया। उप जिलाधिकारी दिशा श्रीवास्तव ने इस अवसर पर कहा कि न्यायालय आपके द्वार योजना का मुख्य उद्देश्य तहसील मुख्यालयों से दूर रहने वाले आमजन को त्वरित और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है। कई बार महज छोटी विसंगतियों के कारण वाद वर्षों तक अदालतों में खिंचते रहते हैं, जिनका धरातलीय सत्यापन के माध्यम से समयबद्ध निस्तारण किया जा सकता है। उन्होंने क्षेत्र के राजस्व निरीक्षकों और लेखपालों को निर्देशित किया है कि इस योजना के तहत चिह्नित अन्य लंबित प्रकरणों की भी सूची तैयार की जाए, ताकि आगामी दौरों में उनका भी मौके पर निस्तारण कर न्याय प्रणाली के प्रति जनता का भरोसा और मजबूत किया जा सके।

# अमेरिका ने 48 करोड़ डॉलर के रक्षा सौदे को दी मंजूरी, भारत की सैन्य क्षमता में होगा इजाफा

**नई दिल्ली ।** अमेरिका ने भारत को अपाचे हेलीकॉप्टर और अल्ट्रा लाइट होवित्जर तोपों के रखरखाव और सहायता सेवाओं से संबंधित उपकरण बेचने की मंजूरी दे दी है। इस प्रस्तावित सौदे की कुल अनुमानित लागत 48.22 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। अमेरिका के डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी (डीएससीए), जो विदेशी सैन्य बिक्री (एफएमएस) को मंजूरी देती है, उसने 17 जून को संघीय रजिस्टर में इस रक्षा बिक्री संबंधी अधिसूचना जारी की। इससे पहले 18 मई को अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत को अपाचे हेलीकॉप्टरों और एम777ए2 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर तोपों के लिए सहायता सेवाओं की संभावित बिक्री के बारे में अमेरिकी कांग्रेस को सूचित किया था। भारत ने अपनी तोपखाना क्षमता, खासकर पर्वतीय क्षेत्रों में संचालन क्षमता को मजबूत करने के लिए अमेरिका से एम777ए2 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर खरीदी थीं। वहीं भारतीय सेना एएच-64ई अपाचे अटैक हेलीकॉप्टरों का भी संचालन करती है, जिन्हें दुनिया के सबसे उन्नत लड़ाकू हेलीकॉप्टरों में गिना जाता है। अधिसूचना के अनुसार, भारत ने एम777ए2 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर के लिए दीर्घकालिक रखरखाव सहायता का अनुरोध किया है। इस पैकेज में सहायक उपकरण, स्पेयर पार्ट्स, मरम्मत एवं वापसी सेवाएं, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता, फील्ड सर्विस प्रतिनिधि, डिपो क्षमता विकास तथा लॉजिस्टिक और कार्यक्रम सहायता से जुड़े तत्व शामिल होंगे। इस सहायता पैकेज की अनुमानित लागत 23 करोड़ डॉलर बताई गई है। एक अलग अधिसूचना में अमेरिकी रक्षा विभाग ने बताया कि भारत ने एएच-64ई अपाचे हेलीकॉप्टरों के लिए रखरखाव सहायता सेवाएं, अमेरिकी सरकार और निजी ठेकेदारों की इंजीनियरिंग, तकनीकी एवं लॉजिस्टिक सहायता, तकनीकी दस्तावेज, प्रशिक्षण और अन्य संबंधित कार्यक्रम सहायता की मांग की है।

# विकास कार्यों की समीक्षा, कृषि मंत्री ने बिजली-सिंचाई व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

**देवरिया।** जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न कृषि चुनौतियों और ग्रामीण बुनियादी ढांचे की समीक्षा के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। विकास भवन के गांधी सभागार में सोमवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विकास कार्यों की गहन प्रशासनिक समीक्षा की।

बैठक के दौरान उन्होंने कृषि, पशुपालन, उद्यान, नलकूप, विद्युत और सिंचाई विभाग के अधिकारियों को कड़े नीतिगत निर्देश देते हुए कहा कि बदलते मौसम के मिजाज को देखते हुए सभी महकमे आपसी तालमेल के साथ समयबद्ध ढंग से कार्ययोजना को धरातल पर उतारें। समीक्षा के दौरान ग्रामीण अंचलों में निर्बाध बिजली आपूर्ति और कृषि सिंचाई का मुद्दा प्रमुखता से उठा। विकास खंड गौरीबाजार क्षेत्र से विद्युत आपूर्ति और तकनीकी गड़बड़ियों की सर्वाधिक शिकायतें मिलने पर कृषि मंत्री ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता को कड़े निर्देश जारी करते हुए गौरीबाजार की समस्याओं का तत्काल स्थायी समाधान करने को कहा। साथ ही निर्देश दिया कि जिले में रोस्टर के अनुरूप बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और इसकी पूर्व सूचना नियमित रूप से समाचार पत्रों के माध्यम से सार्वजनिक की जाए, ताकि आम जनता को असुविधा न हो। सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए नलकूप विभाग को शत-प्रतिशत सरकारी नलकूपों को तत्काल क्रियाशील करने तथा सिंचाई विभाग को नहरों की अंतिम छोर (टेल) तक पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने का विधिक रोडमैप सौंपा गया। कृषि और ग्रामीण विकास को गति देने के लिए कृषि मंत्री ने विभागीय स्तर पर किसानों को कम वर्षा में तैयार होने वाली वैकल्पिक फसलों के प्रति जागरूक करने और समय से उन्नत बीज मुहैया कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, निराश्रित गो-आश्रय स्थलों पर बढ़ते तापमान को देखते हुए पशुओं को गर्मी से बचाने के पुख्ता इंतजाम करने, पर्याप्त भूसा, हरा चारा और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता बनाए रखने को कहा गया।

अशोका एक्सप्रेस
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार-पत्र
प्रिय पाठक, विज्ञापन दाता,
आप अपने क्षेत्र की राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्य तथा धार्मिक लेख, कविता एवं कार्टून लिख भेजें। व्हाट्सएप या ईमेल पर आपके द्वारा भेजी गई सामग्री सुव्यवस्थित ढंग से प्रकाशित किया जायेगा।
नोट: पूर्व प्रकाशित लेखों को न भेजें।
संपादक: विजय कुमार
Website: https://ashokaexpress.com/, Email: ashoka.express@live.com, Mobile No. 9810674206
अशोका एक्सप्रेस को आर्थिक योगदान भी कर सकते हैं।
Account Holder Name: ASHOKA EXPRESS
Bank Account No.: 10650995502 & 41856402452
IFSC Code: SBIN0004648
UPI ID: 9810674206@sbi

## ग्राहकों को गुमराह करने पर सीसीपीए की कार्रवाई, दो फूड कंपनियों पर जुर्माना

**बिजनेस डेस्क।** भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सेंट्रल कंयूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने दो फूड कंपनियों पर 1-1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। कंपनियों ने अपने फूड प्रोडक्ट्स में 100फीसदी शब्द का इस्तेमाल इस तरह से किया जिससे उनके प्रोडक्ट्स की असल बनावट के बारे में गलत जानकारी मिली सीसीपीए ने स्टोरिया फूड्स एंड बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड और मिसेज बेक्टर्स फूड स्पेशलिटीज लिमिटेड पर जुर्माना लगाया है। साथ ही दोनों कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपनी पैकेजिंग, वेबसाइट और डिजिटल प्लेटफॉर्म से ऐसे दावे तुरंत हटाएं। प्राधिकरण ने स्टोरिया के उन विज्ञापनों पर संज्ञान लिया, जिनमें '100फीसदी टेंडर कोकोनट वॉटर' और '100फीसदी फ्रूट जूस' जैसे दावे किए गए थे। जांच में पाया गया कि नारियल पानी के नाम पर बेचे जा रहे उत्पाद में पानी और कोकोनट वॉटर कंसंट्रेट का इस्तेमाल किया गया था, जिसे बाद में तैयार किया गया था। इसके अलावा, उत्पाद में प्रिजर्वेटिव भी मौजूद था, जिससे '100फीसदी प्राकृतिक' होने का दावा संदिग्ध पाया गया। इन प्रोडक्ट्स का प्रमोशन कंपनी की वेबसाइट, प्रोडक्ट पैकेजिंग और अमेजन, फ्लिपकार्ट, बिगबास्केट, ब्लिंकिट, जियोमार्ट और जेप्टो जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर किया गया था। सीसीपीए ने 'इंग्लिश ओवन' ब्रेड के विज्ञापनों की भी जांच की, जिनमें '100फीसदी आटा ब्रेड' और '100फीसदी होल व्हीट ब्रेड' जैसे दावे किए गए थे। सुनवाई के दौरान कंपनी ने स्वीकार किया कि उसके उत्पाद में लगभग 87फीसदी होल व्हीट आटा था। प्राधिकरण ने कहा कि ऐसे में '100फीसदी' शब्द का इस्तेमाल वास्तविक उत्पाद संरचना से मेल नहीं खाता और उपभोक्ताओं को भ्रमित कर सकता है। कंपनियों ने तर्क दिया कि '100फीसदी' का इस्तेमाल सामग्री की प्रकृति बताने के लिए किया गया था लेकिन सीसीपीए ने इस दलील को खारिज कर दिया। प्राधिकरण का कहना था कि विज्ञापन को एक सामान्य उपभोक्ता की समझ के आधार पर परखा जाना चाहिए, न कि तकनीकी व्याख्याओं के आधार पर।

## अमेरिका-ईरान युद्धविराम का असर, होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित निकले दो दक्षिण कोरियाई जहाज

**सीयोल।**




पिछले सप्ताह अमेरिका और ईरान के बीच हुए युद्धविराम समझौते के बाद रणनीतिक जलमार्ग को फिर से खोल दिया। इस दौरान दक्षिण कोरिया द्वारा संचालित दो जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से बाहर निकल गए हैं।

यह जानकारी दक्षिण कोरिया को समुद्री मंत्रालय ने दी है। महासागर और मत्स्य पालन मंत्रालय ने कहा कि जलडमरूमध्य से गुजरने के बाद जहाज सामान्य रूप से चल रहे हैं, लेकिन वे अभी तक मार्ग के उच्च जोखिम वाले हिस्से से पूरी तरह बाहर नहीं निकले हैं।मंत्रालय ने कहा कि जहाजों पर कोई भी दक्षिण कोरियाई चालक दल का सदस्य सवार नहीं है। वे दक्षिण कोरिया के लिए रवाना नहीं हो रहे हैं। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने सुरक्षा चिंताओं के कारण आगे की जानकारी देने से इनकार कर दिया। वाशिंगटन के साथ हुए युद्धविराम समझौते के तहत, तेहरान ने समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद 60 दिनों तक बिना किसी शुल्क के होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को गुजरने की अनुमति देने पर सहमति जताई है। इन दोनों जहाजों के चले जाने के बाद, जलडमरूमध्य में बचे दक्षिण कोरिया से जुड़े जहाजों की संख्या घटकर 22 हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि फारस की खाड़ी में 135 दक्षिण कोरियाई नाविक मौजूद हैं, जिनमें से 102 दक्षिण कोरियाई-संचालित जहाजों पर और 33 विदेशी ध्वज वाले जहाजों पर कार्यरत हैं।

विदेश मंत्री चो ह्यून ने सोमवार को कहा सियोल सरकार ने पश्चिम एशिया में देश-विशिष्ट सहयोग आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए एक कार्य बल का गठन किया है। संघर्ष के बाद पुनर्निर्माण प्रयासों में दक्षिण कोरियाई कंपनियों की भागीदारी का समर्थन किया जा सके। चो ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा मध्य पूर्व में पुनर्निर्माण प्रयासों में दक्षिण कोरियाई कंपनियों की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने और क्षेत्र के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग विकसित करने के लिए मंत्रालय ने एक समर्पित कार्य बल की स्थापना की है। उन्होंने आगे कहा, संकट के प्रति हमारी प्रतिक्रियाओं ने पश्चिम एशिया देशों के बीच इस धारणा को मजबूत किया है कि दक्षिण कोरिया एक विश्वसनीय भागीदार है, जो कठिन समय में उनके साथ खड़ा रहता है। पिछले सप्ताह, संयुक्त राय अमेरिका और ईरान ने अपने महीनों से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत दोनों देशों के बीच युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ा दिया जाएगा, जिसके दौरान परमाणु और अन्य मुद्दों को संबोधित करने और अंतिम शांति समझौते पर पहुंचने के लिए बातचीत होगी।

## भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर तेज हुई वार्ता, टैरिफ संकट टालने की कोशिश

**नई दिल्ली।**

भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को आगे बढ़ाने के लिए बातचीत तेज करने जा रहे हैं। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोमवार को बताया कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिय एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ कई दौर की बैठकें करेंगे। इन बैठकों का उद्देश्य अगले महीने लागू होने वाली महत्वपूर्ण टैरिफ समयसीमा से पहले व्यापार समझौते को आगे बढ़ाना है। सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, नई दिल्ली में राजदूत ग्रीर का स्वागत करने के लिए उत्साहित हूं। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए मंत्री पीयूष गोयल के साथ कई बैठकें निर्धारित हैं। ग्रीर की पीयूष गोयल के साथ बातचीत ऐसे समय में हो रही है, जब दोनों देश प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के ढांचे को अगले महीने की महत्वपूर्ण टैरिफ समयसीमा से पहले अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्रिस्तरीय स्तर की यह बैठक भारत और अमेरिका के बीच चल रही अंतरिम व्यापार समझौते की बातचीत का हिस्सा है। माना जा रहा है कि यह अंतरिम समझौता भविष्य में व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते का रास्ता तैयार करेगा। बीते रविवार को केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि उनके अमेरिकी समकक्ष व्यापार समझौते पर चर्चा के लिए नई दिल्ली आने वाले हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर बातचीत के लिए मेरे समकक्ष कल दिल्ली आ रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में वाणिय सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा था कि दोनों देशों के बीच होने वाली बातचीत का मुख्य उद्देश्य ढांचा समझौते को अंतिम रूप देना और व्यापक व्यापार समझौते पर वार्ता को आगे बढ़ाना होगा। पीयूष गोयल ने भी कहा था कि भारत और अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते से जुड़े सभी लंबित मुद्दों को सुलझाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने भरोसा जताया था कि बीटीए का पहला चरण अगले महीने के मध्य तक पूरा किया जा सकता है। यह वार्ता इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि अमेरिका की ओर से सभी व्यापारिक साझेदार देशों पर लगाया गया 10 प्रतिशत का अस्थायी टैरिफ 24 जुलाई को समाप्त होने वाला है। अमेरिकी प्रशासन द्वारा इस वर्ष की शुरुआत में घोषित यह अस्थायी टैरिफ मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) शुल्क दरों के अतिरिक्त लगाया गया था। 150 दिनों की अवधि समाप्त होने के बाद अमेरिका नई टैरिफ व्यवस्था लागू कर सकता है। यह नई मंत्रिस्तरीय बातचीत 2 जून से 4 जून के बीच नई दिल्ली में हुई मुख्य वार्ताकार स्तर की बैठकों के बाद हो रही है। उन बैठकों में भी प्रस्तावित व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई थी।भारत और अमेरिका दोनों आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और व्यापार बढ़ाने के उद्देश्य से चरणबद्ध व्यापार व्यवस्था पर काम कर रहे हैं। साथ ही दोनों देश एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं।

## अल नीनो बढ़ाएगा महंगाई, जुलाई-अगस्त में बढ़ सकते हैं दूध के दाम

**बिजनेस डेस्क।** महंगाई की मार झेल रहे आम लोगों को जल्द ही एक और झटका लग सकता है। डेयरी उद्योग के जानकारों का अनुमान है कि दूध की कीमतों में जुलाई और अगस्त के दौरान 3-4 फीसदी तक बढ़ोतरी हो सकती है। इसकी प्रमुख वजह अल नीनो और कमजोर मानसून की वजह बताई जा रही हैं, जो दूध उत्पादन को प्रभावित कर सकती हैं। अल नीनो एक मौसम संबंधी घटना है, जिसके कारण कई क्षेत्रों में सामान्य से कम बारिश होती है। कमजोर मानसून के कारण पसुओं के लिए हरे चारे और पानी उपलब्धता घट सकती है। इससे दूध देने वाले पशुओं की सेहत और उत्पादकता प्रभावित होती है। ऐसे में चारे की कमी होने पर पशुपालकों की लागत बढ़ जाती है। डेयरी उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि यदि प्रमुख दूध उत्पादक रायों में बारिश सामान्य से कम रहती है, तो अगले कुछ महीनों में दूध की कीमतों में 3-4 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इससे दूध के साथ-साथ दही, पनीर, घी और अन्य डेयरी उत्पाद भी महंगे हो सकते हैं। देश की बड़ी डेयरी कंपनियां संभावित संकट से निपटने के लिए पशुपालकों के साथ मिलकर चारा प्रबंधन और वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर काम कर रही हैं। कंपनियों का कहना है कि फिलहाल दूध की आपूर्ति सामान्य है लेकिन मौसम की स्थिति को देखते हुए अग्रिम तैयारी की जा रही है।

## सेंसेक्स ने लगाई 400 अंकों की छलांग; निफ्टी 24100 के पार पहुंचा, जानें बाजार का हाल

**मुंबई।** पिछले हफ्ते के आखिरी दिन की सुस्ती के बाद, सोमवार की सुबह शेयर बाजार के निवेशकों के लिए खुशियों की सौगात लेकर आई है। सेंसेक्स और निफ्टी ने जोरदार वापसी करते हुए हरे निशान में शानदार शुरुआत की है। लेकिन, इस तेजी के बीच एक चिंता है जो निवेशकों और नीति-निर्माताओं के माथे पर लकीरें खींच रही है- और वह है मॉनसून की धीमी चाल। सोमवार को भारतीय शेयर बाजार ने एक बार फिर अपना पुराना मोमेंटम हासिल करते हुए मजबूती के साथ शुरुआत की। सेंसेक्स 423.30 अंक (0.55फीसदी) की जोरदार छलांग लगाते हुए 77,226.20 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी ने भी 119.11 अंक (0.50फीसदी) की बढ़त के साथ 24,132.20 पर कारोबार शुरू किया। शुक्रवार को लगातार पांच दिनों की तेजी पर ब्रेक लग गया था, लेकिन सोमवार की इस शानदार रिकवरी ने निवेशकों को बड़ी राहत दी है। आज के शुरुआती कारोबार में एचसीएल टेक और मारुति के शेयर मुनाफे वाले शेयरों (टॉप गेनर्स) की लिस्ट में सबसे आगे रहे। बाजार में भले ही रौनक लौट आई है, लेकिन आने वाले दिनों में बाजार की चाल काफी हद तक मॉनसून की प्रगति पर निर्भर करेगी। मौजूदा अल नीनो परिस्थितियों के कारण इस साल जून में अब तक सामान्य से लगभग 38फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। अगर मॉनसून में और देरी होती है, तो इसका सीधा असर खरीफ फसलों की बुवाई पर पड़ेगा। पैदावार कम होने की आशंका से खाद्य महंगाई (फूड इन्फ्लेशन) बढ़ सकती है और ग्रामीण इलाकों में मांग घट सकती है। ये ऐसे कारक हैं जो सीधे तौर पर देश की अर्थव्यवस्था और कॉरपोरेट अर्निंग्स को प्रभावित कर सकते हैं। घरेलू बाजार में आज जहां खरीदारी का जोर है, वहीं दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले रुझान सामने आ रहे हैं। एक तरफ जापान के टॉपिक्स इंडेक्स में 1.3फीसदी और ऑस्ट्रेलिया के रू×क्कस्ङ्ग 200 में 0.1फीसदी की मजबूती देखी गई। दूसरी तरफ, अमेरिकी बाजार में सुस्ती नजर आई जहां रू×क 500 फ्यूचर्स 0.4फीसदी गिर गए। एशियाई बाजारों में भी दबाव देखने को मिला; हांगकांग का हैंग सेंग 1.3फीसदी और शंघाई कंपोजिट 0.2फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा यूरोप के यूरो स्टॉक्स 50 फ्यूचर्स में भी 0.3फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। कुल मिलाकर, हफ्ते की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद सकारात्मक रही है। निवेशकों का भरोसा बाजार में लौटता दिख रहा है।

हालांकि, आगे की दिशा तय करने में ग्लोबल मार्केट के संकेतों के साथ-साथ घरेलू मोर्चे पर मॉनसून की चाल सबसे अहम भूमिका निभाएगी। निवेशकों को फिलहाल बाजार की चाल पर करीबी नजर बनाए रखने की जरूरत है।

# बिजली संकट दूर करने वाले जांबाजों का सम्मान, लाइनमैनों को मिले सुरक्षा उपकरण

**पडरौना, कुशीनगर ।**

आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए दिन-रात कठिन परिस्थितियों में कार्य करने वाले विद्युत विभाग के लाइनमैनों के सम्मान एवं सुरक्षा को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक कार्यकर्ता संदीप मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्युतकर्मियों के योगदान को सम्मानित करते हुए उन्हें सुरक्षा एवं कार्य दक्षता से जुड़े आवश्यक उपकरण प्रदान किए गए। इस अवसर पर विद्युत लाइनमैनों को टेलिस्कोपिक सीढ़ी, सेफ्टी जैकेट, सुरक्षा हेलमेट सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य विद्युतकर्मियों की कार्य सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा उनके मनोबल को और अधिक सुदृढ़ बनाना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नगर पालिका परिषद पडरौना के अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष जायसवाल ने कहा कि विद्युत लाइनमैन विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए आमजन तक निर्बाध विद्युत आपूर्ति पहुंचाने का कार्य करते हैं। तेज बारिश, आंधी-तूफान और अन्य जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में भी उनकी सेवा भावना एवं समर्पण अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि विद्युत लाइनमैन हमारे असली कर्मयोद्धा हैं, जो अपने कर्तव्यनिष्ठ प्रयासों से घर-घर उजाला पहुंचाने का कार्य करते हैं। उन्होंने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए सभी विद्युतकर्मियों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल एवं सुरक्षित कार्यजीवन की कामना की। कार्यक्रम में विद्युत विभाग के एसडीओ शशिकांत गुप्ता, अभियंता प्रदीप शर्मा, लाइनमैन अनिल पाल, अनिल तिवारी, अमरजीत कुशवाहा, संजय दुबे, धनंजय मिश्रा, राजेश कुशवाहा, मोनू दीक्षित, पंकज यादव सहित विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विवेक सिंह, सुरेश मिश्रा, अमितेश दीक्षित, आशुतोष त्रिपाठी, पन्नालाल दीक्षित, मुन्ना गौतम सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने भी सहभागिता कर विद्युतकर्मियों के सम्मान एवं सुरक्षा के इस प्रयास की सराहना की।

# नामांकन बढ़ाने और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर डीएम ने दिया जोर

**कुशीनगर।**

जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति, जिला शिक्षा परियोजना समिति एवं जिला शिक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने छात्र नामांकन बढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यालयों में बेहतर आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूल चलो अभियान को और प्रभावी बनाने, आरटीई के तहत निर्धारित प्रवेश सुनिश्चित करने तथा नियमों का पालन न करने वाले निजी विद्यालयों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निपुण भारत मिशन, बालवाटिका संचालन, मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय निर्माण और ऑपरेशन कायाकल्प की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने विद्यालयों में सुरक्षा व्यवस्था, चहारदीवारी निर्माण और जर्जर भवनों की स्थिति पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही सामर्थ्य एप पर छात्र विवरणों की शत-प्रतिशत फीडिंग, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। बैठक में स्मार्टफोन एवं टैबलेट वितरण योजना, प्रोजेक्ट अलंकार तथा विद्यालयों में विद्युतीकरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित विद्यालय वातावरण और शत-प्रतिशत नामांकन शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में हैं, जिन्हें सभी अधिकारी गंभीरता से सुनिश्चित करें।

### आरटीई, स्कूल चलो अभियान, ऑपरेशन कायाकल्प और स्मार्टफोन-टैबलेट वितरण की समीक्षा

# प्रखर साहित्य संगम की काव्य गोष्ठी में 'रंगमंच के राम' पुस्तक का विमोचन

**कसया, कुशीनगर ।** बेलवा कारखाना स्थित ओंकारेश्वर महादेव मंदिर में प्रखर साहित्य संगम की 114वीं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष एवं नाटककार श्याम नारायण गुप्त द्वारा रचित संगीतमय पुस्तक 'रंगमंच के राम' का विमोचन सार्जेंट अभिमन्यु पाण्डेय 'मन्नू' की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हरेंद्र पाण्डेय 'आदर्श' की वाणी वंदना से हुआ। मुख्य अतिथि जितेन्द्र पाण्डेय 'जौहर' के भोजपुरी गीतों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। सत्य प्रकाश शुक्ल की ग़ज़ल, ब्रजेश त्रिपाठी की समसामयिक रचनाएं, आकाश महेशपुरी के गीत तथा नन्दलाल 'कान्ति पति', भूपेन्द्र राय 'गंवार', बनारसी दास और नथुनी राव व्यथित की प्रस्तुतियों को भी खूब सराहना मिली। अध्यक्षीय संबोधन में अभिमन्यु पाण्डेय 'मन्नू' ने समसामयिक विषयों पर अपनी रचना प्रस्तुत की। वहीं श्याम नारायण गुप्त ने व्यंग्य रचना के माध्यम से समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार और लूट पर कटाक्ष किया। काव्य गोष्ठी में नागेन्द्र पाण्डेय, हिमांशु शेखर, कौशलेश पाण्डेय, उमेश चौबे, मंगल प्रसाद, भरत वर्मा, हरेश राय 'बेदर्दी' सहित अनेक कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का संचालन सत्य प्रकाश शुक्ल 'बाबा' ने किया। पुस्तक विमोचन के बाद साहित्यकारों ने 'रंगमंच के राम' पर अपने विचार भी व्यक्त किए।

# संचारी रोग नियंत्रण को जिला प्रशासन मुस्तैद- 1 जुलाई से शुरू होगा महाभियान, डीएम ने परखीं तैयारियां

**देवरिया।**

मानसूनी सीजन में वेक्टर जनित और संक्रामक बीमारियों के प्रसार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने अपनी रणनीतिक तैयारियां तेज कर दी हैं। आगामी जुलाई माह में शुरू होने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के विधिक व सफल क्रियान्वयन को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने स्वास्थ्य विभाग सहित सभी संबंधित अंतर्विभागीय प्रभारियों के साथ वर्चुअल माध्यम से एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। जिलाधिकारी ने दो टूक निर्देश दिए कि संक्रामक रोगों से बचाव के लिए सभी महकमे आपसी समन्वय के साथ धरातल पर कार्य करें, ताकि जनपद में जलभराव और गंदगी के कारण पनपने वाली बीमारियों को शुरुआती स्तर पर ही रोका जा सके। प्रशासनिक कार्ययोजना के अनुसार, व्यापक संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 जुलाई से 31 जुलाई तक पूरे जनपद में संचालित किया जाएगा। वहीं, इसके अंतर्गत घर-घर सर्विलांस के लिए 11 जुलाई से 31 जुलाई तक विशेष दस्तक अभियान चलाया जाएगा, जिसमें आशा कार्यकर्त्रियां और स्वास्थ्य कर्मी प्रत्येक ग्रामीण व शहरी अंचल में पहुंचकर बुखार, आईएलआई और अन्य लक्षणों वाले मरीजों को चिन्हित करेंगे। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. ए.के. गुप्ता और पूरी चिकित्सीय टीम को फील्ड में रहकर अभियान की विधिक मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में जिलाधिकारी ने जलभराव और गंदगी को मौसमी बीमारियों का मुख्य कारक बताते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी और निकाय के अधिशासी अधिकारियों को सफाई कर्मियों का ब्लॉकवार रोस्टर बनाने के निर्देश दिए। मलेरिया विभाग को निर्देशित किया गया है कि वे संवेदनशील और जलभराव वाले क्षेत्रों में एंटी लार्वा दवाओं तथा ब्लीचिंग पाउडर का नियमित छिड़काव सुनिश्चित करें। इसके साथ ही, बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक को स्कूली बच्चों के माध्यम से समाज में जनजागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस प्रशासनिक बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी आदिश मिश्रा, डिप्टी एनएचएम वी.के. पांडेय, जिला मलेरिया अधिकारी सुधाकर मणि और जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी प्रियंका चौधरी सहित कृषि व मत्स्य विभाग के प्रबुद्ध अधिकारी मुख्य रूप से जुड़े रहे।

### जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने स्वास्थ्य समेत दर्जन भर विभागों के साथ की वर्चुअल समीक्षा

# ट्रांसफार्मर ब्लास्ट में दंपति समेत दो मासूम झुलसे, लापरवाही पर अवर अभियंता निलंबित

**कुशीनगर।**

रविंद्रनगर धूस थाना क्षेत्र के ग्राम सभा कोहड़ा में सोमवार सुबह ट्रांसफार्मर में हुए विस्फोट से एक ही परिवार के चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद जिला प्रशासन और विद्युत विभाग हरकत में आया। घायलों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया गया, जबकि प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अवर अभियंता को निलंबित कर दिया गया है।

मामले की विस्तृत जांच भी शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार गांव में सड़क किनारे स्थापित ट्रांसफार्मर सोमवार सुबह करीब 9:30 बजे अचानक आग लगने के बाद विस्फोट के साथ फट गया। ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारियों और गर्म तेल की चपेट में आकर सामने स्थित घर में सो रहे महेश्वर सिंह (40), उनकी पत्नी अंगिरा देवी (37), पुत्र दिव्यांश (6) और अयांश सिंह (3) गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे में घर में रखा घरेलू सामान तथा एक मोटरसाइकिल भी जलकर क्षतिग्रस्त हो गई। सभी घायलों को

### जिला प्रशासन ने घायलों को दिलाई तत्काल चिकित्सा सहायता, विद्युत विभाग ने शुरू की कार्रवाई

तत्काल मेडिकल कॉलेज रविंद्रनगर भेजा गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार अंगिरा देवी और दिव्यांश की हालत चिंताजनक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित ट्रांसफार्मर काफी समय से जर्जर अवस्था में था और उसमें से लगातार धुआं निकल रहा था। इसकी शिकायत कई बार विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से की गई थी, लेकिन समय रहते कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि ट्रांसफार्मर की मरम्मत अथवा उसे बदला गया होता तो यह हादसा टाला जा सकता था। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा एवं क्षेत्राधिकारी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। प्रशासनिक अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना तथा उनके उपचार की जानकारी ली। जिला प्रशासन ने प्रभावित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। साथ ही रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा भी आवश्यक सहयोग प्रदान किए जाने की बात कही गई है। उधर, ग्राम कोहड़ा निवासी उपेंद्र तिवारी एवं अन्य ग्रामीणों द्वारा जनसुनवाई में दी गई शिकायत के आधार पर विद्युत विभाग ने भी कार्रवाई शुरू कर दी है। शिकायत में कहा गया था कि जर्जर ट्रांसफार्मर की खराब स्थिति की सूचना पिछले कई माह से संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को दी जा रही थी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जांच में प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र कुबेरस्थान के अवर अभियंता अरविंद मणि त्रिपाठी ने अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन नहीं किया। इसके चलते अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मंडल कुशीनगर राकेश मोहन ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन आदेश के अनुसार अरविंद मणि त्रिपाठी को विद्युत वितरण खंड कसया से संबद्ध किया गया है तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। वहीं अधीक्षण अभियंता ने अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड पडरौना को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच कराई जा रही है और दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। विद्युत विभाग ने स्पष्ट किया है कि जनसुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

# क्या हिटमैन हैं भारत के नंबर-1 ओपनर? सचिन-गावस्कर के बाद अब सहवाग को भी इस मामले में छोड़ा पीछे

**मुंबई ।** भारत के दिग्गज ओपनर रोहित शर्मा 39 साल की उम्र में भी बड़े बड़े रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ चेन्नई में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में पूर्व भारतीय कप्तान ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। 79 रन की शानदार पारी खेलते हुए उन्होंने न सिर्फ भारत को आसान जीत दिलाई, बल्कि भारतीय क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों को पीछे छोड़ते हुए एक नया कीर्तिमान भी अपने नाम कर लिया। हिटमैन ने 69 गेंदों में 79 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और तीन छक्के शामिल रहे। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने 219 रन के लक्ष्य को बेहद आसान बना दिया और भारत ने 28.4 ओवर में ही मैच जीतकर अफगानिस्तान का 3-0 से सूपड़ा साफ कर दिया।

**रोहित ने तोड़ा सहवाग का रिकॉर्ड**

इस पारी के दौरान रोहित शर्मा ने वीरेंद्र सहवाग का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सबसे यादा रन बनाने वाले ओपनर बन गए हैं। इस उपलब्धि के साथ रोहित ने भारतीय क्रिकेट के तीन महान ओपनरों, सहवाग, सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ दिया है।

**उम्र बढ़ रही, लेकिन रिकॉर्ड भी बढ़ रहे**

रोहित शर्मा ने एक और खास रिकॉर्ड अपने नाम किया। 39 वर्ष और 51 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाकर वह वनडे क्रिकेट में भारत के लिए सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने पचास से यादा रन की पारी खेली हो। इससे पहले यह रिकॉर्ड मोहिंदर अमरनाथ के नाम था, जिन्होंने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ 39 वर्ष और 21 दिन की उम्र में 88 रन बनाए थे।

**यशस्वी का शतक, भारत की आसान जीत**

रोहित के साथ युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भी मौके का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने 86 गेंदों पर नाबाद 110 रन की पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 170 रन जोड़कर मैच को एकतरफा बना दिया।

यशस्वी का यह शतक बताता है कि भारतीय बल्लेबाजी की अगली पीढ़ी भी बड़े मंच पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार है।

**प्रसिद्ध कृष्णा ने बदला मैच का रुख**

इससे पहले तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने अफगानिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने पांच विकेट लेकर मेहमान टीम को शुरुआती झटके दिए और 36 रन पर चार विकेट गिरा दिए। हालांकि कप्तान हश्मतुल्लाह शाहिदी ने शानदार संघर्ष करते हुए 131 गेंदों में 102 रन बनाए। उनके साथ अजमतुल्लाह उमरजई ने 50 रन की उपयोगी पारी खेली, जिससे अफगानिस्तान 218 रन तक पहुंच सका।

**रोहित नंबर-1 ओपनर बन चुके?**

रोहित शर्मा की इस पारी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है। 39 साल की उम्र में भी वह भारतीय बल्लेबाजी की धुरी बने हुए हैं और रिकॉर्ड बुक में लगातार नए अध्याय जोड़ रहे हैं। अब सवाल यही है कि क्या रोहित शर्मा भारत के सबसे महान ओपनर बन चुके हैं? आंकड़े तो कम से कम इसी ओर इशारा कर रहे हैं।

## मोहम्मद सालाह का जलवा, वर्ल्ड कप में Egypt की ऐतिहासिक जीत, नॉकआउट की उम्मीदें

मोहम्मद सालाह ने FIFA वर्ल्ड कप में धीमी शुरुआत के बाद शानदार खेल दिखाया और मिस्र को वैंकूवर के BC प्लेस में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ जीत दिलाई। यह इस बड़े मंच पर उनकी पहली जीत थी। 1934 में FIFA वर्ल्ड कप में पहली बार खेलने के 92 साल बाद, मिस्र ने ऑल व्हाइट्स (न्यूज़ीलैंड टीम) को 3-1 से हराकर अपनी शानदार जीत हासिल की। इस जीत से ग्रुप ब से नॉकआउट में पहुंचने की उनकी उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। मिस्र ने अपने पहले मैच में बेल्जियम के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला था, लेकिन सालाह की खराब शुरुआत ने फ़राओ (मिस्र की टीम) के साथ उनके भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए थे। हालांकि, रविवार को उन्होंने एक गोल किया और एक गोल करने में मदद की, जिससे उनकी टीम ने 50,000 से ज़्यादा दर्शकों के सामने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जीत हासिल की। कीवी टीम ने तब सबको चौंका दिया जब फिन सुरमैन ने टिम पेन के कॉर्नर पर हेडर मारकर 15वें मिनट में अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। दूसरे हाफ में होसाम हसन की टीम ने वापसी की; 58वें मिनट में मुस्तफा ज़िको ने मोहम्मद हनी के क्रॉस पर हेडर से गोल किया। इसके बाद सलाह ने ज़िको के साथ वन-टू पासिंग गेम खेला और निचले कोने में शॉट मारकर मिस्र को बढ़त दिला दी। 82वें मिनट में सलाह ने सब्स्टीट्यूट ट्रेज़ेगुएट को कॉर्नर पर असिस्ट दिया, जिस पर अल अहली के विंगर ने हेडर से गोल करके बढ़त को दोगुना कर दिया। मिस्र अब नॉकआउट में अपनी जगह पक्की करने और ग्रुप में टॉप पर रहने के लिए तैयार है। वे पहले से ही चार पॉइंट के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि ईरान दूसरे और बेल्जियम तीसरे स्थान पर है। इस हार के बाद न्यूज़ीलैंड चौथे स्थान पर बना हुआ है और वे अपनी पहली वर्ल्ड कप जीत की तलाश में हैं। फ़राओ (मिस्र की टीम), जो 2022 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफ़ाई नहीं कर पाए थे, अगर ईरान के ख़िलाफ़ अपने आखिरी ग्रुप मैच में जीतते हैं या ड्रॉ खेलते हैं, तो वे ग्रुप टॉपर के तौर पर अगले दौर में पहुँच जाएँगे। हालाँकि, कीवी टीम (न्यूज़ीलैंड) को राउंड ऑफ़ 32 में जगह बनाने के लिए अपने आखिरी मैच में बेल्जियम को हराना होगा। जीत उन्हें दूसरे स्थान के लिए मज़बूत स्थिति में पहुँचा देगी, लेकिन आगे बढ़ने के लिए तीसरा स्थान भी उनके लिए काफ़ी होगा।

## लक्ष्य सेन करेंगे भारतीय चुनौती की अगुआई, महिलाओं में तन्वी शर्मा संभालेंगी जिम्मेदारी

**फुलरटन ।** अनुभवी खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरती हुई स्टार तन्वी शर्मा मंगलवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुआई करेंगे।

इस प्रतियोगिता के एकल में कई अन्य भारतीय खिलाड़ी भी अपना भाग्य आजमाएंगे जिनमें पुरुष वर्ग में किदाम्बी श्रीकांत भी शामिल हैं। महिला वर्ग में कुल सात भारतीय खिलाड़ी एकल में चुनौती पेश करेंगे। विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज सेन को दूसरी वरीयता दी गई है और पहले दौर में उनका मुकाबला बेल्जियम के जूलियन कैरागी से होगा। इस महीने की शुरुआत में इंडोनेशिया ओपन में पहले दौर में बाहर होने के बाद लक्ष्य वापसी करने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेंगे। श्रीकांत पुरुष एकल में अपना पहला मैच चीनी ताइपे के लियाओ झूओ-फू के खिलाफ खेलेंगे। भारत के एक अन्य खिलाड़ी सानीथ दयानंद जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोतो के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। एस शंकर मुथुसामी सुब्रमणियन ने भी मुख्य ड्रॉ में जगह बना ली है और उनका मुकाबला क्वालिफायर से होगा। महिला एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा और छठी वरीयता प्राप्त देविका सिहाग अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। वे विश्व रैंकिंग में क्रमशः 32वें और 34वें स्थान पर हैं। 17 वर्षीय तन्वी जर्मनी की यवोन ली के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगी, जबकि देविका का सामना पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो सालाजार से होगा। विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज अनमोल खरब पहले दौर में बुल्गारिया की कालोयाना नलबंतोवा से भिड़ेंगी। रक्षिता श्री एस का सामना पहले दौर में क्वालिफायर से होगा। अगर वह आगे बढ़ती हैं, तो अगले दौर में उन्हें कनाडा की शीर्ष वरीयता प्राप्त मिशेल ली का सामना करना पड़ सकता है। श्रीयांशी वलीशेट्टी अपना पहला मैच कनाडा की राहेल चान के खिलाफ खेलेगी। तान्या हेमंत का सामना जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त रिको गुंजी से, जबकि आकर्षी कश्यप का मुकाबला चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग से होगा। महिला युगल में भारत की तरफ से त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ही चुनौती पेश करेगी। उनका पहला मुकाबला स्पेन की पाउला लोपेज और लूसिया रोड्रिगेज़ से होगा।

## ऐतिहासिक जीत के बाद मिस्र को बड़ा झटका! क्यों नहीं मिली सिएटल में रुकने की अनुमति?

**न्यूयॉर्क ।** फीफा विश्व कप 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ यादगार जीत दर्ज कर इतिहास रचने वाली मिस्र की टीम को अब एक अप्रत्याशित चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। विश्व कप में 92 साल बाद पहली जीत का जश्न मना रही टीम की तैयारियों को झटका लगा है, क्योंकि स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों ने सिएटल में रुकने के उसके अनुरोध को खारिज कर दिया है।

इस फैसले के बाद मोहम्मद सालाह की अगुआई वाली टीम को अपनी योजना बदलनी पड़ी है और अब उसे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार स्पोकेन लौटना होगा, जहां से वह अपने अगले मुकाबले की तैयारी करेगी। मिस्र फुटबॉल संघ के टीम मैनेजर इब्राहिम हसन ने बताया कि कोचिंग स्टाफ ने न्यूजीलैंड पर 3-1 की शानदार जीत के बाद टीम को सीधे वैंकूवर से सिएटल ले जाने की योजना बनाई थी। इसका मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों को अतिरिक्त यात्रा से बचाना और 27 जून को ईरान के खिलाफ होने वाले बेहद अहम ग्रुप मुकाबले से पहले उन्हें पर्याप्त आराम देना था। इब्राहिम हसन ने कहा, सुरक्षा कारणों से स्थानीय अधिकारियों ने हमारे सिएटल में रुकने के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया। इसलिए टीम को स्पोकेन वापस लौटना पड़ेगा। मूल कार्यक्रम के तहत मिस्र को कनाडा से स्पोकेन लौटना था और फिर 25 जून को सिएटल जाना था। हालांकि तकनीकी स्टाफ ने खिलाड़ियों की शारीरिक थकान को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम में बदलाव का प्रस्ताव रखा था। लेकिन सुरक्षा एजेंसियों की मंजूरी नहीं मिलने के कारण टीम अब उसी पुराने यात्रा कार्यक्रम का पालन करेगी। इससे खिलाड़ियों को अतिरिक्त यात्रा करनी पड़ेगी, जिसका असर तैयारी पर पड़ सकता है। इन व्यवस्थागत परेशानियों के बावजूद मिस्र का मनोबल ऊंचा है। टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 3-1 से जीत दर्ज की थी। पहले हाफ में 0-1 से पिछड़ने के बावजूद मिस्र ने दूसरे हाफ में आक्रामक खेल दिखाया और लगातार तीन गोल दागकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मुस्तफा जिको, मोहम्मद सालाह और ट्रेज़ेगुएट ने टीम के लिए गोल किए। यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक रही। मिस्र ने विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज की और इसके लिए उसे 92 साल 25 दिन का लंबा इंतजार करना पड़ा।

## वैभव सूर्यवंशी- बड़े मंच का बड़ा खिलाड़ी! दबाव बढ़ते ही और खतरनाक हो जाते हैं बेबी बॉस; जमकर गरजता है बल्ला

**दांबुला ।** क्रिकेट में प्रतिभाएं आती-जाती रहती हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो बहुत कम उम्र में ही यह संकेत दे देते हैं कि वे साधारण नहीं हैं। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी भी अब उसी श्रेणी में आते दिखाई दे रहे हैं। महज 15 साल की उम्र में उन्होंने बार-बार साबित किया है कि बड़े मुकाबलों का दबाव उन्हें डराता नहीं, बल्कि और अधिक खतरनाक बना देता है।

**वैभव ने फाइनल में दिखाया दम**

हाल ही में श्रीलंका ए के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के दौरान वैभव पहली बार अपने खेल से यादा खराब प्रदर्शन और एक विवाद की वजह से चर्चा में आए।

फाइनल से पहले तक उनका बल्ला नहीं बोला था। वह 30-40 के स्कोर पर आउट हो रहे थे। इसके बाद मैदान पर श्रीलंकाई खिलाड़ियों के साथ हुई कहासुनी ने उनकी मानसिकता को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए। कुछ लोगों ने इसे उनकी अपरिपक्वता बताया तो कुछ ने अंदाजा लगाया कि इसका असर उनके प्रदर्शन पर पड़ सकता है, लेकिन वैभव ने जवाब शब्दों से नहीं, बल्ले से दिया।

**फाइनल में बल्ले से दिया जवाब**

त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में वैभव ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। पहले ही ओवर में मोहम्मद शिराज की गेंद पर शानदार चौका लगाकर उन्होंने अपने इरादे साफ कर दिए। इसके बाद जो हुआ, वह किसी तूफान से कम नहीं था। वैभव ने सिर्फ 29 गेंदों में 94 रन ठोक डाले। इस दौरान उन्होंने गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और मैदान के हर कोने में शॉट लगाए। उनकी स्ट्राइक रेट 324.14 रही, जो किसी भी स्तर के क्रिकेट में असाधारण मानी जाती है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि उन्होंने महज 11 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया। यह ऐसी पारी थी जिसने मैच का रुख बदल दिया और फाइनल को लगभग एकतरफा बना दिया। वैभव

जब बल्लेबाजी कर रहे थे, तब एक वक्त तो भारत का प्रोजेक्टेड स्कोर 950 तक पहुंच गया था।

**बड़े मैचों में अलग ही रूप दिखाते हैं वैभव**

इस पारी को सिर्फ एक विस्फोटक पारी कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि वैभव के पिछले एक साल के प्रदर्शन पर नजर डालें तो एक पैटर्न साफ दिखाई देता है, जब मुकाबला बड़ा होता है, तब उनका बल्ला और यादा खतरनाक हो जाता है। अंडर-19 विश्व कप में उनका अभियान बहुत शानदार नहीं रहा था, लेकिन फाइनल में उन्होंने 80 गेंदों पर 175 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर भारत को खिताब दिलाया। यह प्रदर्शन बताता है कि दबाव की घड़ी में उनका आत्मविश्वास कम नहीं होता, बल्कि बढ़ जाता है।

इसके बाद आईपीएल 2026 आया और वैभव ने दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा का एक और नमूना पेश किया। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर में उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 97 रन बनाकर राजस्थान रॉयल्स को जीत दिलाई। फिर क्वालिफायर-2 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 47 गेंदों पर 96 रन बनाए। हालांकि राजस्थान वह मुकाबला हार गई, लेकिन वैभव की पारी लंबे समय तक चर्चा का विषय बनी रही। इन दोनों पारियों ने दिखा दिया कि वह सिर्फ युवा प्रतिभा नहीं, बल्कि मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ी हैं।

**प्रेशर इज अ प्रिविलेज को जी रहे हैं वैभव**

आईपीएल 2026 के दौरान विराट कोहली ने कहा था, प्रेशर इज अ प्रिविलेज यानी दबाव एक विशेषाधिकार है। इसका मतलब यह है कि दबाव उन्हीं खिलाड़ियों पर होता है जिनसे लोगों को उम्मीदें होती हैं। 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी पर भी करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की नजरें हैं।

हर बार जब वह बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो उनसे बड़ी पारी की उम्मीद की जाती है।

इतनी कम उम्र में यह अपेक्षाएं किसी भी खिलाड़ी पर भारी पड़ सकती हैं, लेकिन वैभव अब तक इन उम्मीदों के बोझ तले दबे नहीं हैं। बल्कि उनके प्रदर्शन बताते हैं कि वह इस दबाव का आनंद लेते हैं और बड़े मंच पर खुद को साबित करने का अवसर मानते हैं।

**भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सितारा?**

वैभव सूर्यवंशी अभी अपने करियर की शुरुआती सीढ़ियां ही चढ़ रहे हैं। उन्हें तकनीक, स्वभाव और निरंतरता के मामले में अभी बहुत कुछ सीखना है। लेकिन एक गुण जो उनमें अभी से दिखाई देता है, वह है बड़े मौकों पर निडर होकर खेलने की क्षमता। शायद यही वजह है कि क्रिकेट विशेषज्ञ उन्हें भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सुपरस्टार मानने लगे हैं। अगर उनका यह रवैया और प्रदर्शन जारी रहा तो आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट को एक ऐसा खिलाड़ी मिल सकता है, जो दबाव में टूटता नहीं, बल्कि और चमकता है।

# प्रख्यात समाजसेवी एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुंदर नागर का जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

नई दिल्ली। (साहिल गौड़) प्रख्यात समाजसेवी, जीवन अनमोल फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त सचिव सुंदर नागर का जन्मदिवस विकास मार्ग स्थित उनके कार्यालय में अत्यंत हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हजारों शुभचिंतकों, समर्थकों एवं गणमान्य नागरिकों ने पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

जन्मदिवस समारोह में सामाजिक, राजनीतिक एवं पत्रकारिता जगत की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया। उपस्थित अतिथियों ने श्री सुंदर नागर के सामाजिक सरोकारों, जनसेवा के प्रति समर्पण तथा समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के कल्याण हेतु किए जा रहे कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की। इस अवसर पर पूर्व पार्षद गुरुवरण सिंह राजू, पूर्व निगम पार्षद सुशील उपाध्याय, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रविंद्र कोच्छड़, अधिवक्ता हरीश गोला, अधिवक्ता महेश शर्मा, शरद दीक्षित, मनोज गुप्ता, पुरुषोत्तम भारद्वाज, जवाहर धवन, कृष्णा नगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता धवन, पिंकी साहनी, अमरजीत सिंह बिल्ला, अशोक शर्मा, डॉ. हरीदत्त शर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सिंह, रविंद्र यादव, मनोज सरीन (ब्लॉक अध्यक्ष, गीता कॉलोनी) तथा विजय शंकर चतुर्वेदी (अध्यक्ष, एक्रेडिटेड जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (पंजीकृत) एवं संपादक, राष्ट्र टाइम्स) सहित बड़ी संख्या में सामाजिक, राजनीतिक एवं पत्रकारिता जगत से जुड़े गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह के दौरान सुंदर नागर को पुष्पगुच्छ, शॉल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा अतिथियों द्वारा उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया गया। केक काटकर जन्मदिवस का उत्सव मनाया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विजय शंकर चतुर्वेदी ने सुंदर नागर को शुभकामनाएं देते हुए कहा, ÷सुंदर नागर एक कर्मठ समाजसेवी, लोकप्रिय जननेता एवं मानवता की सेवा के लिए समर्पित व्यक्तित्व हैं। उन्होंने सदैव समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों की सहायता को अपना ध्येय बनाया है। उनका जीवन जनसेवा, सामाजिक सरोकार और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। मैं उनके जन्मदिवस पर उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर जनकल्याणकारी कार्यों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।÷ वहीं बर्लिन (जर्मनी) में रह रहे पुलकित चतुर्वेदी ने दूरभाष के माध्यम से सुंदर नागर को जन्मदिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर जनसेवा के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। अपने संबोधन में सुंदर नागर ने सभी अतिथियों, मित्रों, समर्थकों एवं शुभचिंतकों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो प्रेम, स्नेह, सम्मान और आशीर्वाद प्राप्त हुआ है, वही उन्हें समाज और जनता की सेवा के लिए निरंतर प्रेरित करता है।

उन्होंने भविष्य में भी पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

समारोह के अंत में उपस्थित सभी अतिथियों का सम्मान किया गया तथा सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह, सौहार्द और आत्मीयता का वातावरण देखने को मिला। बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने समारोह को यादगार बना दिया।